दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 232
मुरादाबाद
(Monday)
14 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संसद हमले की 24वीं बरसीः पीएम मोदी-राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि, बलिदान को किया याद

जब-जब दुश्मनों ने भारत की ओर अपनी बुरी नजर की, भारत के वीर सैनिकों ने अपनी जान पर खेलकर उनके दुष्टचेष्टा मंसूबे को नाकाम किया है। संसद हमले की 24वीं बरसी पर पीएम मोदी, सोनिया गांधी समेत अन्य नेताओं ने भारत मां के वीर सपूतों को याद किया, जिन्होंने 2001 के हमले में अपनी जान की परवाह न करते हुए आतंकियों के मंसूबे को नाकाम किया। संसद हमले की 24वीं बरसी पर देश अपने वीर सपूतों को याद कर रहा है, जिन्होंने बिना अपनी जान की परवाह करते हुए आतंकियों के मंसूबे को नाकाम किया। इस अवसर पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और अन्य सांसदों और इस हमले में शहीद सुरक्षा कर्मियों को श्रद्धांजलि दीं और उनके बलिदान को याद किया। संसद हमले में कई सुरक्षा कर्मी शहीद हुए थे और देशभर में इस घटना को देश की सुरक्षा और शौर्य की याद के रूप में याद किया जाता है। शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित समारोह में सभी नेताओं ने फूल चढ़ाकर और श्रद्धांजलि देकर शहीद सुरक्षा कर्मियों के अदम्य साहस और बलिदान को सम्मानित किया। इस अवसर पर संसद परिसर में गणमान्य व्यक्तियों और सुरक्षा अधिकारियों की भी उपस्थिति रही और देशभर में शहीदों को याद कर उनके बलिदान को सलाम किया गया।पीएम मोदी ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि- इस अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज के दिन हमारा देश 2001 में संसद पर हुए भयानक हमले में अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों को याद करता है। इस संकटपूर्ण समय में उनके साहस, सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा सराहनीय थी। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए आभारी रहेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 2001 संसद हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि- इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को 2001 में संसद पर हुए आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाने वाले साहसी नायकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि देश हमेशा उनके और उनके परिवारों का ऋणी रहेगा। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि आज के दिन हम भारत की आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने की प्रतिबद्धता को दोबारा दृढ़ करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि देश उन साहसी नायकों को सलाम करता है जिन्होंने 2001 में संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए। उनका साहस और कर्तव्यनिष्ठा हमारी राष्ट्रीय भावना को आज भी मार्गदर्शित करती है। देश हमेशा उनके और उनके परिवारों का ऋणी रहेगा।शहीद सुरक्षा कर्मी के परिवार ने कहा- हमें गर्व है 2001 के संसद हमले की बरसी पर शहीद सुरक्षा कर्मी के परिवार ने देशभक्ति की भावनाएं व्यक्त की हैं। शहीद के परिवार का कहना है कि हमें फोन आया कि संसद में आतंकवादी हमला हुआ है और उन्हें गोली लगी है, लेकिन उनकी सटीक स्थिति नहीं पता थी। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि उन्होंने देश की संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए। रिजिजू ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि- केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शहीद सुरक्षा कर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आज हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन है। जब आतंकवादियों ने संसद पर हमला किया था, हमारे बहादुर सुरक्षा कर्मियों ने इस लोकतंत्र के मंदिर को बचाने के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सभी सांसद हर साल उन्हें संसद परिसर में याद कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। हम उन्हें कभी नहीं भूल सकते। आज हम उन्हें श्रद्धांजलि देने आए हैं। योगी आदित्यनाथ ने दी श्रद्धांजलि- इससे पहले दिन की शुरुआत में ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन सुरक्षा जवानों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने संसद पर हमले में अपने प्राण न्योछावर किए। उन्होंने कहा कि उनका बलिदान हमेशा देश की स्मृतियों में जीवित रहेगा। सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि लोकतंत्र के मंदिर भारतीय संसद भवन ने 13 दिसंबर 2001 को एक कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का सामना किया। यह हमला राष्ट्र की संप्रभुता, गरिमा और जनप्रतिनिधियों की शक्ति पर किया गया था। जिन्होंने इस हमले में अपनी जान देकर संसद और देश की रक्षा की, उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्र हमेशा उनके बलिदान को याद रखेगा। नितिन गडकरी ने भी शहीदों को किया याद-केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी संसद की रक्षा करते हुए शहीद हुए जवानों को याद किया। उन्होंने कहा कि 13 दिसंबर 2001 को आतंकवादी हमले के दौरान लोकतंत्र के मंदिर की रक्षा में जो वीर शहीद हुए, उनका बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। शहीद कांस्टेबल कमलेश कुमारी को दी श्रद्धांजलि- केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने 88 बटालियन की कांस्टेबल कमलेश कुमारी को भी श्रद्धांजलि दी। सीआरपीएफ ने कहा कि उन्होंने आतंकवादियों का सामना करते हुए अद्वितीय साहस दिखाया और अपने साथियों को आतंकवादियों की गतिविधियों की जानकारी देते रहे। उनके शौर्य और बहादुरी के लिए उन्हें मृत्यु के बाद अशोक चक्र से सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात के कच्छ में 3.9 तीव्रता का भूकंप, आग के बाद गोवा का बिर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब सील

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार शाम को आरजीआई क्रिकेट स्टेडियम में फुटबॉल स्टार लियोनेल मेस्सी की इवेंट ल्ह्ज्ञ गोट इंडिया टूर में हिस्सा लेंगे। इवेंट में दो टीमों सिंगारेनी RR~ और अपर्णा-मेस्सी ऑल स्टार्स के बीच 15-20 मिनट का मैत्रीपूर्ण मैच खेला जाएगा। मैच से पांच मिनट पहले मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी और मेस्सी साथ में बॉल ड्रिब्ल करेंगे। स्टेडियम में 3,000 सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है।गोवा में नाइटक्लब सील, बिर्च बाय रोमियो लेन आग के बाद कड़ी कार्रवाई गोवा में बिर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब की आग में 25 लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार ने नाइटक्लबों पर कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि कम से कम दो नाइटक्लब को बंद कर दिया गया है। शनिवार को कैफे ष्टह्व2 गोवा, जो वागाटोर बीच पर अरबी सागर के किनारे स्थित है, को सील किया गया। इससे दो दिन पहले ही गोया क्लब को नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में बंद किया गया था।राज्य सरकार की टीम ने निरीक्षण में पाया कि कैफे COw गोवा के पास फायर और इमरजेंसी सर्विसेज विभाग से एनओसी (NOC) नहीं था। साथ ही, क्लब की स्ट्रक्चरल सुरक्षा में भी कुछ खामियां थीं और निर्माण अनुमत सीमा से बाहर था। बिर्च बाय रोमियो लेन आग की जांच में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है,

पैक्स सिलिका में भारत शामिल नहीं, कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

कांग्रेस ने अमेरिका के नेतृत्व वाली नई रणनीतिक पहले भारत को शामिल न किए जाने को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। पार्टी ने कहा कि यह हैरान करने वाला नहीं है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी के संबंधों में तेज गिरावट आई है। अमेरिका की अगुवाई में एक नई रणनीतिक पहल %पैक्स सिलिका% शुरू की गई है, जिसका मकसद एक सुरक्षित और नवाचार से चलने वाली सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला बनाना है। इसमें भारत को शामिल न किए जाने पर कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि यह बहुत हैरान करने वाला नहीं है कि भारत एक सुरक्षित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला बनाने की अमेरिकी रणनीतिक पहल का हिस्सा नहीं है, क्योंकि (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप और (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी के संबंधों तेज गिरावट आई है। विपक्षी पार्टी ने कहा कि अगर हम इस समूह का हिस्सा होते तो यह हमारे लिए फायदेमंद होता। पार्टी महासचिव (संचार प्रभार) जयराम रामेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि भारत के इस समूह में शामिल न होने की खबर ऐसे समय आई है, जब प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपने अच्छे मित्र और अहमदाबाद, ह्यूस्टन और वॉशिंगटन डीसी में कई बार गले मिल चुके साथी के साथ टेलीफोन वार्ता की जानकारी उत्साहपूर्वक साझा की है।

जयराम रामेश ने एक्स पर लिखा कि अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने चीन की हाई-टेक आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता कम करने के लिए नौ देशों की पहल शुरू की है, जिसे पैक्स सिलिका कहा गया है। इसमें अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड, ब्रिटेन, इस्राइल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

रमेश ने कहा, 10 मई 2025 के बाद ट्रंप-मोदी के संबंधों में तेज गिरावट को देखते हुए, भारत का इस समूह में शामिल न होना ज्यादा चकित करने वाला नहीं है। निसंदेह, यह हमारे लिए लाभकारी होता अगर हम इसका हिस्सा होते। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, पैक्स सिलिका पहल का मकसद निर्भरता को कम करना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए जरूरी सामग्री और क्षमताओं की रक्षा करना है और यह सुनिश्चित करना है कि पैक्स सिलिका के सदस्य देश बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाली तकनीक को विकसित और इस्तेमाल कर सकें।

केंद्रीय नेतृत्व ने भाजपा विधायकों को दिल्ली बुलाया, राष्ट्रपति शासन खत्म करने पर चर्चा की संभावना

कुकी-जो समुदाय के भी सात विधायकों को भाजपा ने इस बैठक के लिए बुलाया गया है। उनके रुख पर सबकी निगाहें टिकी हैं, क्योंकि सभी 10 कुकी-जो विधायक लगातार अलग प्रशासन की मांग पर अड़े हुए हैं और इसी शर्त पर सरकार गठन में समर्थन देने की बात कहते रहे हैं।मणिपुर में लंबे समय से जारी राजनीतिक गतिरोध को खत्म करने और राष्ट्रपति शासन हटाने की संभावना को देखते हुए भाजपा ने राज्य के सभी विधायकों को 14 दिसंबर को नई दिल्ली में बैठक के लिए तलब किया है। यह कदम राज्य की राजनीतिक दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत माना जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की है कि केंद्रीय नेतृत्व ने सभी विधायकों को दिल्ली पहुंचने के निर्देश दिए हैं। हालांकि बैठक का औपचारिक एजेंडा जारी नहीं किया गया है, लेकिन उन्होंने संकेत दिए कि नई सरकार के गठन पर चर्चा होने की पूरी संभावना है।कुकी जो समुदाय के विधायकों को भी दिल्ली बुलाया- पूर्व सीएम बीरेन सिंह ने इंफाल में 86वें नुपी लाल दिवस के अवसर पर ये बात कही। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कुकी-जो समुदाय के वे सभी विधायक, जिनमें सात भाजपा के भी शामिल हैं, को भी इस बैठक के लिए बुलाया गया है। उनके रुख पर सबकी निगाहें टिकी हैं, क्योंकि सभी 10 कुकी-जो विधायक लगातार अलग प्रशासन की मांग पर अड़े हुए हैं और इसी शर्त पर सरकार गठन में समर्थन देने की बात कहते रहे हैं।सरकार बहाली की मांग कर रहे भाजपा विधायक- हालांकि कई भाजपा विधायक राज्य में तुरंत निर्वाचित सरकार बहाल करने की मांग कर रहे हैं,

लेकिन कुकी-जो समूह किसी भी व्यवस्था का समर्थन करने से पहले अपनी राजनीतिक मांगों के समाधान पर जोर दे रहा है। सूत्रों के मुताबिक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ए शारदा भी बैठक में मौजूद रह सकती हैं। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन है, जबकि बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को इस्तीफा दिया था।

अगड़ा-पिछड़ा गठजोड़ से ही सात बार सांसद बने पंकज चौधरी, अपना दल और अन्य सहयोगियों से छिन सकते हैं ये वोटर

अगड़ा और पिछड़ा गठजोड़ से ही पंकज चौधरी सात बार से सांसद बन रहे हैं। अब अपना दल और अन्य सहयोगियों से परंपरागत कुर्मी वोट छिन सकते हैं। परंपरागत मत सहेजने के साथ पीडीए कमजोर करने का दांव पार्टी ने खेला है।उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जल्द ही नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने वाला है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और महाराजगंज से सात बार के सांसद पंकज चौधरी ने शनिवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके प्रस्तावक बने, जबकि दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी को लेकर सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है। पार्टी इनको प्रदेश में बड़ी जिम्मेदारी दे रही है। पार्टी को पिछड़े समाज में इनकी मजबूत पकड़ होने का फायदा मिल सकता है। परंपरागत मत सहेजने के साथ पीडीए कमजोर करने का दांव पार्टी ने खेला है। अब तक गुण गणित के मुताबिक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनना लगभग तय है। गोरखपुर के घंटाघर हरबंश गली स्थित घर में 20 नवंबर 1964 में जन्मे पंकज चौधरी ने एमपी इंटर कॉलेज और गोरखपुर विश्वविद्यालय से स्नातक तक की शिक्षा ग्रहण किया। औद्योगिक घराने में जन्मे पंकज चौधरी ने राजनीति में कदम रखा और नगर निगम गोरखपुर में पार्षद बने और डिप्टी मेयर बने। राजनीति के इस सफर में महराजगंज के जिला पंचायत में वह अजेय खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल रहे हैं। बताते चले कि महाराजगंज जिला पंचायत के

अस्तित्व में आते ही पंकज चौधरी के बड़े भाई उद्योगपति स्वर्गीय प्रदीप चौधरी प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष बने उसके बाद दो बार लगातार पंकज चौधरी की माता उज्ज्वल चौधरी जिला पंचायत की अध्यक्ष बनी। इसके बाद जिस व्यक्ति के सिर पर पंकज चौधरी ने हाथ रखा वह जिला पंचायत का अध्यक्ष बना। जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनावो में पंकज चौधरी के समक्ष तमाम बाधाएं आईं, विपक्ष में रहते हुए पंकज चौधरी ने जिला पंचायत पर अपना कब्जा बरकरार रखा। पंकज चौधरी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1989 में गोरखपुर नगर निगम में पार्षद का चुनाव लड़ने के साथ की थी। वो पार्षद के चुनाव में जीते थे। 1989 में ही गोरखपुर से कटकर महाराजगंज अलग जिला बना, जिसके बाद से पंकज चौधरी ने महराजगंज को अपनी राजनीति का केंद्र बनाया। महराजगंज में खाटी के भाजपा कार्याकर्ताओं समेत अन्य लोगों में खुशी- केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी का नाम चर्चा में आने से महराजगंज में खाटी के भाजपा कार्याकर्ताओं समेत अन्य लोगों में खुशी है। सभी इसे अपने अपने हिसाब से देख रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि पंकज चौधरी का ओहदा पार्टी में हमेशा ठीक रहा है। यही वजह है कि चुनाव में भी पार्टी ने इन्ही पर हर बार भरोसा जताया। पिछड़े समाज में इनकी मजबूत पकड़ के अलावा संगठन में इनको लेकर कभी गतिरोध सामने नहीं आया। शुरूआत से ही पार्टी की ओर से मिली जिम्मेदारी का बखूबी निवर्हन कर आगे बढ़ते चले गए। इनके विरोधी भी इनके व्यक्तित्व की सराहना करते हैं। सात बार सांसद होने के बाद भी जनता से इनकी नजदीकी कम नहीं हुई। परंपरागत कुर्मी वोट को अपने ओर आकर्षित करने का प्रयास - कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करने में भरोसा रखते हैं। राजनीति के जानकार बताते हैं कि अपना दल व अन्य सहयोगियों से परंपरागत कुर्मी वोट को अपने ओर आकर्षित करने में पंकज चौधरी काफी मददगार साबित हो सकते हैं। शहर से लेकर गांव तक हर कोई टीवी व शोसल मीडिया से जानकारी लेकर चर्चा करने में मशगुल रहा। सियासी दाव पेंच को लेकर चर्चा होती रही। संघ से इनकी नजदीकी के साथ ही पार्टी के कैडर वाले नेताओं के भी प्रिय माने जाते हैं। यह अपनी कुशल रणनीति का नमूना भी चुनाव में दिखा चुके हैं।

संपादकीय Editorial

Babri vs. Ram Mandir

Suspended Trinamool Congress MLA Humayun Kabir laid the foundation stone of the Babri Masjid with a few Muslim leaders. Meanwhile, Bengal Governor CV Anand Bose, Baba Bageshwar, and several saints, accompanied by a large crowd, recited the Gita. The construction of the Ram Temple in Baharampur, 11 km from the Babri Masjid, was announced. Both these decisions and rituals have nothing to do with religious faith. These were communal, Hindu-versus-Muslim, gatherings, preoccupied with the April-May 2026 assembly elections. Undoubtedly, Lord Shri Ram is the most accepted and revered deity of the entire Indian public. The Ramayana has been written on the life of Ram in numerous major languages. If another temple is built for our deity, it cannot be controversial because the majority of Hindus are idol worshippers. However, a grand temple dedicated to Lord Rama has already been built in Ayodhya, the birthplace of Lord Rama. The "Dharma Dhwaja," a symbol of Sanatan Dharma, has also been installed on the top of the temple. Millions of devotees from across the country are traveling to Ayodhya to pay homage to their beloved Lord Rama. The Ram Temple is revered no less than any pilgrimage site, so what is the justification for announcing another Ram Temple? Even today, there are countless temples dedicated to Lord Rama in the country, where worship continues uninterrupted. Of course, polarization and community mobilization can be done in the name of Ram. Their importance is also crucial in the context of elections. Undoubtedly, the BJP has benefited greatly from the polarization of Hindus or those with such beliefs. In independent India, building a mosque as a memorial to foreign invaders like Babur cannot be permitted. India is now a sovereign, democratic, and constitutional nation; a memorial to Babur is unacceptable. If Muslims want to build a mosque, they should obtain proper permission from the government and build it in the name of Prophet Muhammad. Who would object? Although "Babar Road" still exists in the capital, Delhi. There will be many such monuments in the country named after Babar, but new initiatives, new foundation stones, and new construction should not be allowed. In West Bengal, Chief Minister Mamata Banerjee should not have allowed the foundation of the so-called Babri Masjid to be laid. Those within the BJP who were vociferously opposing the Babri Masjid should also have strongly opposed the foundation. The Chief Minister should have had her own rebel MLA arrested, but the symbolic foundation of the Babri Masjid was laid, and that section succeeded in its communalism. Mamata was concerned about the Muslim vote, which comprises over 65% of the 24 assembly seats in Murshidabad, so she could not afford to abandon the Hindu vote either. In Bengal, 35-40% of Hindu votes also go in favor of Mamata's party, so the Chief Minister suspended the MLA. Humayun Kabir chose December 6th because it was on this date in 1992 that the structure of the alleged Babri Masjid in Ayodhya was demolished. A section of Muslims still harbors anger and resentment over that incident. They call the demolition the "martyrdom of the holy mosque." Following the decision of the Constitution Bench of the Supreme Court, a Ram Temple was built on that very land. Muslims have not accepted the alternative site the court had ordered for the mosque, and construction of the mosque is a distant dream. Where will the money come from to build the Babri Masjid, the foundation stone of which has reportedly been laid in Murshidabad?

Unnecessary objections to SIR, doubts about EVMs, and false allegations of vote-stealing

In reality, most opposition parties, including the Congress leadership, have lost the ability to see and understand their core problem. Arrogance and a sense of dynastic entitlement have deprived them of introspection. They live in a fantasy, completely disconnected from reality, and are blaming Prime Minister Modi and the Election Commission for their every electoral failure. Ensuring the accuracy of the voter list is essential. Political parties' opposition to SIR is inappropriate. Doubts about the Election Commission's transparency are wrong. India's democracy is a reflection of the world's largest public will. Here, elections are not merely a means of changing power, but a sacred national ritual. Every vote is the heartbeat of a healthy democratic system. Therefore, the accuracy of the voter list is not merely an administrative task of the Election Commission of India, but also a question of safeguarding the constitutional spirit of India. With this core spirit, the Election Commission launched a massive campaign of Special Intensive Revision of Voter Lists (SIR) on July 1st of this year, to ensure that no ineligible person is included in the list and no eligible citizen is left out. After Bihar, this process is underway in 12 more states. The previous SIR was conducted in the country between 2002 and 2004. It is ironic that while some political parties and their top leaders are eager to brandish copies of the Constitution and prove themselves its "protectors," they are also raising baseless questions about this statutory electoral reform process both inside and outside Parliament. Cases have been filed in the Supreme Court against the nationwide SIR. Opposition parties are representing these cases with prominent figures like Kapil Sibal and Abhishek Manu Singhvi. They argue that the SIR is an unnecessary process and the Election Commission lacks the authority to conduct it. The court rejected this argument. Furthermore, during the November 26 hearing, the court also noted that none of the ineligible voters whose names were removed during the SIR in Bihar filed any objections. Now, in the second phase of the SIR, the Election Commission is reviewing approximately 510 million voters in 1,843 assembly constituencies across 321 districts in 12 states. As of December 3rd, 99 percent of the forms had been distributed and over 93 percent had been digitized. To ensure a free, fair, and transparent process, the Commission has already held over 4,700 all-party meetings, attended by 28,000 political representatives. The final voter list will be published on February 16th. Those whose names are removed from the list will have a month's opportunity to file claims and objections. After all, why be nervous about such a transparent process? The opposition's initial suspicion of EVMs, accusations of vote theft, and now opposition to the SIR are nothing but a fulfilment of the adage, "If you don't know how to dance, your courtyard is crooked." Since its modest success in the Lok Sabha elections, the Congress party has suffered defeats in one state after another. This decline continued until the Bihar elections, but instead of introspection, it has engaged in blame games and counter-allegations. After independence, the Congress party ruled the country, directly or indirectly, for 50 years. During this period, Congress lost power only once in Tamil Nadu (1967), Bengal (1977), Uttar Pradesh (1989), Gujarat (1990), Maharashtra (1995), Odisha (2000), Goa (2012), and Delhi (2013), but has not yet been able to return to power on its own. In Delhi, it failed to even open its account in the 2015, 2020, and 2025 elections. The last four Lok Sabha elections clearly highlight India's changing political landscape. In 2009, the BJP won 18.8 percent of the vote and 116 seats. In 2014, the BJP reached 282 seats with 31 percent of the vote, while Congress's share fell from 206 to 44 seats and from 28.5 percent of the vote to 19.3 percent. In both elections, the Congress-led UPA government was in power at the center. Public support for the BJP further strengthened in 2019, and it secured a majority again with an increased vote share (37.3 percent) and seats (303). The BJP, under PM Modi's leadership, fought the 2024 elections amid anti-incumbency, opposition unity, the machinations of anti-India forces, and negative propaganda. However, its seats (240) and vote share (36.5 percent) declined, but it still managed to form the government. It's also worth noting that during the last 11 years of the Modi government at the center, opposition parties also won elections in several states. These include the Trinamool Congress in Bengal, the DMK in Tamil Nadu, the JMM in Jharkhand, the Congress in Karnataka, Himachal, and Telangana, the National Conference in Jammu and Kashmir, and the Left in Kerala. Even in the 70-member Delhi Assembly elections, the AAP won 67 seats in 2015 and 62 in 2020. In 2022, the AAP also won 80 percent of the seats in Punjab. Had the Election Commission been biased towards one party, would such one-sided results have been possible? In reality, most opposition parties, including the Congress leadership, have lost the ability to see and understand their core problem. Arrogance and a sense of dynastic entitlement have deprived them of introspection. They live in a fantasy, completely disconnected from reality, and are blaming Prime Minister Modi and the Election Commission for their every electoral failure. The harsh truth is that even if voters become disillusioned with the BJP for some reason, they look for alternatives other than the Congress. If we look at the SP, RJD, Trinamool, DMK, NCP, AAP, and Congress, they have all won. They have strengthened their political roots by exploiting the political ground of the Grace Party. The truth is that when the "people," the voters, repeatedly reject the opposition, a "system"—as part of an organized political strategy—puts institutions like the Election Commission in the dock. Their sole objective is to somehow maintain their declining political relevance amid the disconnect with the public, even if it undermines the credibility of the country's constitutional institutions.

Vande Mataram is a rallying cry of nationalism. Why unnecessary politics?

The importance of these three dimensions—wealth, knowledge, and power—in human life is undeniable. Bankim Chandra's words may have been suppressed for a few decades, but the time has come to consider giving Vande Mataram the same respect as the national anthem by adding a new fundamental duty to Article 51(A). This is the country's due to the pioneer of the era, Bankim Chandra Chatterjee. The importance of wealth, knowledge, and power in human life. It's time to honor Bankim Chandra's words. Vande Mataram should be given the same respect as the national anthem. The 150th anniversary of the immortal song of the Indian freedom movement, "Vande Mataram," is being discussed not only in Parliament but throughout the country. Vande Mataram, composed by Bankim Chandra Chatterjee, is not just a patriotic song but a spiritual rallying cry of Indian nationalism. The current discussion has revealed many facts related to Vande Mataram that are unknown to not only today's young generation, but also to very few in our generation. Such as the revelation that the current form of Vande Mataram is a fragmented version. There are four more verses in addition to the two currently sung. In this context, Prime Minister Modi said that under the pressure of appeasement politics, Congress succumbed to the division of Vande Mataram. In fact, Bankim Chandra wrote Vande Mataram in 1875 in response to the British conspiracy to spread the national anthem "God Save the Queen" to every Indian household, and in 1882, he included it in his novel "Anand Math." Vande Mataram is an expression of India's civilizational history and cultural nationalism, which has been deeply ingrained in India since time immemorial. Vande Mataram is sung as a hymn to the motherland. This sentiment towards the nation has always existed in Indian culture. The Vedas contain the proclamation "Mata Bhumih Putroham Prithviyah." This means that the earth is my mother and I am her child. Lord Shri Ram expressed this sentiment towards his birthplace, saying that motherland is more beautiful than heaven. In Indian cultural values, the earth is the mother power that nurtures the world. This mother power is worshipped in various forms. Vande Mataram, uttered by countless Indian children in Anandmath, is a proclamation of this eternal value of Indian civilization. This six-stanza song was sung by Gurudev Rabindranath Tagore at the Congress session in 1896. It was sung again at the Congress session in 1901. At the Congress Working Committee meeting in December 1905, it was decided to sing it at all-India events. Also in 1905, during the Partition of Bengal movement, both Hindu and Muslim communities united and sang Vande Mataram. When Madame Bhikaji Cama hoisted the first tricolor in Germany in 1907, Vande Mataram was inscribed on it. Chidambaram Pillai had Vande Mataram inscribed on the Swadeshi ship in 1907. Ramprasad Bismil chose Vande Mataram as the first song of his banned book, "Kranti-Gitanjali." Bhagat Singh used to greet his people with Vande Mataram in his letters. Mahatma Gandhi wrote in a 1905 issue of "Indian Opinion," "This song of Bankim has become so popular that it has become our national anthem. Its sole purpose is to awaken the spirit of patriotism within us." In 1936, Gandhiji wrote elsewhere, "The many meaningful adjectives that Bankim has used for our motherland are absolutely apt, without parallel." It is not surprising that the sessions of the Khilafat Movement began with Vande Mataram. Senior Muslim leaders like Ahmed Ali, Shaukat Ali, and Zafar Ali would rise in its honor. Before becoming a staunch communalist, Mohammad Ali Jinnah would rebuke those who did not stand in its honor. Ashfaqulla was hanged singing it. Former Congress leader Arif Mohammad Khan translated it into Urdu. Despite being one of the most influential and popular songs in the freedom struggle, the Muslim League opposed it due to religious fanaticism. Even at the 1923 Congress session, voices of opposition to Vande Mataram were raised. Unfortunately, a committee headed by Nehru recommended at the 1937 Congress session in Calcutta that only the first two verses of the song were relevant. The decision was made to split Vande Mataram, removing the last four verses. It is important to note that Nehru previously had no objection to the original meaning of Vande Mataram. In a letter to Ali Sardar Jafri on September 1, 1937, Nehru wrote, "I do not think anyone believes that the words in these have any connection to the Goddess." This interpretation is ridiculous.' Further, in a letter to Subhas Chandra Bose on October 20, 1937, Nehru wrote, 'There is no doubt that the current uproar against Vande Mataram has been largely created by communal elements and that those who hold communal views have been influenced by it.' Even after this, the Muslim League's opposition to Vande Mataram continued to grow. Jinnah raised the slogan against Vande Mataram on October 15, 1937.

सॉरी... ये शब्द नहीं बोलने पर किया कत्ल, प्रिंस को मारने वाले किलर प्रशांत ने बताया हत्या का कारण

लाइनपार निवासी प्रिंस चौहान को गोली मारने के मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसने पूछताछ में बताया कि सॉरी बोलने से इनकार करने पर उसे गोली मारी गई थी। अब तक इस मामले में छह लोग पकड़े गए हैं। मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के लाइन पार में सोमवार की रात प्रिंस चौहान की हत्या करने में शामिल रहे मुख्य आरोपी प्रशांत सैनी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी ने पुलिस पूछताछ में स्वीकार किया है कि सॉरी बोलने को कहा लेकिन उसने सॉरी बोलने से गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में प्रशांत एक नामजद आरोपी अभिषेक की तलाश में पुलिस बताया कि मझोला के लाइन पार रामेश्वर कॉलोनी (24) सोमवार की रात करीब आठ बजे चिड़िया थी। घटना के समय प्रिंस को उसका दोस्त मयंक जगपाल सिंह की तहरीर पर मझोला थाने में मयंक मोहन, यश सैनी, भीम सैनी, अर्जुन सैनी समेत सात खिलाफ हत्या में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।पुलिस मयंक गुर्जर, हनुमान नगर निवासी मोहन, शिवाजी सैनी और लाइन पार लक्ष्मी नगर यश सैनी को मंगलवार को पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रशांत सैनी को गिरफ्तार कि 22 अगस्त 2025 की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे के पास प्रिंस चौहान और उसके साथियों ने लाठी डंडे से पीट कर घायल कर दिया और पिटाई का वीडियो बनाकर अर्जुन भेजा था।अर्जुन ने उसी दिन 112 को सूचना देकर मारपीट करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। इसके बाद से अर्जुन सैनी, भीम सैनी प्रिंस से बदला लेने की फिराक में थे। इसके अलावा भैयादूज वाले दिन लाइन पार में कैल्टन स्कूल के पास प्रिंस ने प्रशांत के साथ भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी थी।शोर शराबा होने पर उसके घर वाले आए तो प्रिंस धमकी देकर चला गया था। प्रशांत ने बताया कि उसे लगातार खतरा था कि प्रिंस उसकी हत्या कर सकता है। घटना वाले दिन उसने मयंक के जरिए प्रिंस को चिड़िया टोला के पास बुला लिया। वहां सभी लोग पहले से मौजूद थे।उन्होंने प्रिंस पर दबाव बनाया है कि वह अपनी गलती स्वीकार कर और सॉरी बोल लेकिन प्रिंस ने सौरी बोलने से इन्कार कर दिया था। इसके बाद सभी ने उसके साथ मारपीट की और प्रशांत ने उसे गोली मार दी थी।एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। एक अन्य आरोपी अभिषेक की तलाश की जा रही है।यह था पूरा मामला- लाइनपार के चिड़िया टोला में चार माह पूर्व सिगरेट को लेकर हुई मारपीट में आठ दिसंबर को 22 वर्षीय प्रिंस चौहान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह दोस्त से रुपये लेने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने साईं अस्पताल के सामने लोकोशेड पुल पर शव रखकर जाम लगा दिया। लाइनपार रामेश्वर कॉलोनी निवासी प्रिंस चौहान बिजली निगम में संविदा पर चालक था।परिजनों के मुताबिक वह बीते सोमवार शाम दोस्त से रुपये लेने की बात कहकर घर से निकला था। कुछ देर बाद ही परिजनों को उसकी मौत की खबर मिली। परिजन फौरन चिड़िया टोला पहुंचे और बेटे को कार में डालकर साईं अस्पताल लेकर पहुंचे। घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। वहां, डॉक्टर ने प्रिंस को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने साईं अस्पताल के सामने लोकोशेड पुल पर जाम लगा दिया।शव सड़क पर रखकर परिवार वाले आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग और प्रदर्शन करने लगे। देर तक वाहन जाम में फंसे रहे। पुलिस ने किसी तरह परिजनों को हटाकर शव को एंबुलेंस में रखा और पोस्टमार्टम के लिए ले गई। इस पर परिजन और गुस्से में आ गए उन्होंने दोबारा सड़क जाम कर दी। शव को वापस लाने की मांग करने लगे। इस बात को लेकर रात 10:45 बजे तक लोकोशेड पुल पर हंगामा चला। इस दौरान मृतक के परिजनों ने तीन बार सड़क जाम की। परिजन बार-बार पुलिस पर लापरवाही बरतने और उनकी बात न सुनने का आरोप लगाते रहे। इस दौरान मौके पर सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता, मझोला थाना और सिविल लाइंस थाना प्रभारी उन्हें समझाने में लगे रहे। रक्षाबंधन पर हुआ था लाइनपार के लड़कों से झगड़ा- मृतक के बड़े भाई पवन चौहान ने बताया कि चार माह पहले रक्षाबंधन पर लाइनपार में चिड़िया टोला क्षेत्र के लड़कों से प्रिंस का झगड़ा हुथा था। झगड़ा किसी और का था लेकिन प्रिंस उसके साथ खड़ा था, इसलिए उसे भी पीटा गया। पीटने के बाद आरोपियों ने प्रिंस के पास तमंचा रख दिया और पुलिस बुला ली।उसे मारपीट करने और तमंचा रखने के आरोप में फंसाया। तब पुलिस चौकी से विवाद खत्म हो गया लेकिन वह लड़के लगातार प्रिंस को जान से मारने की धमकी देते थे। मृतक के पिता ने कहा कि आखिरकार आरोपियों ने उनका बेटा छीन लिया।

रामगंगा नदी में मृत मिली हजारों मछलियां, पकड़ने के लिए टूट पड़े लोग, कैसे मरी किसी को पता नहीं

मुरादाबाद की रामगंगा नदी में हजारों मछलियां मृत पाई गई। इसकी जानकारी के बाद लोग उन्हें पकड़ने के लिए नदी में कूद पड़े। बड़ी संख्या में मछलियां कैसे मरी इसकी बारे में कोई भी अधिकारी बोलने को तैयार नहीं है।जिगर कॉलोनी के नजदीक रामगंगा नदी में शुक्रवार की सुबह बड़ी मछलियों को उतराई देख काफी संख्या में लोग ठंड की परवाह किए बगैर कूद पड़े। मछलियों को पकड़ने के बाद लोगों ने बताया कि बड़ी बेहोश हो गई और छोटी मछलियां मर गई हैं।आशंका है कि किसी ने नदी में कीटनाशक दवा डाल दी थी, जिसका प्रभाव मछलियों पर पड़ा है। जिगर कॉलोनी के लोग शुक्रवार की सुबह नदी में मछलियों को उतराया देखकर दंग रह गए। जिज्ञासा के चलते कुछ लोगों ने पानी से मछलियों को निकालना शुरू किया।इनमें बड़ी मछलियां जिंदा थी लेकिन छोटी मछलियां मर गई थी। देखते ही देखते दर्जनों लोग मछलियों को पकड़ने के लिए नदी में कूद पड़े। लोगों में मछली पकड़ने की होड़ मच गई। मुफ्त में मछलियों को पाकर लोग खुश हो गए। कुछ लोगों ने बड़ी मछलियों की बिक्री के लिए दुकानें सजा ली। लोगों की माने तो कई क्विंटल मछलियां नदी से निकाली गई हैं। इस बारे में पूछने पर जिला मत्स्य अधिकारी राजे लाल ने कहा कि नदी का क्षेत्र वन विभाग के क्षेत्र के अंतर्गत है। तालाब रहता तो वह निरीक्षण करने के लिए जा सकते हैं। इधर डीएफओ ने भी मछलियों के बारे में अनभिज्ञता जताई। लोगों का कहना है कि बहते हुए पानी में ऑक्सीजन की कमीं नहीं हो सकती है। आशंका है कि किसी ने नदी में कीटनाशक दवा फेंक दी है। इसी कारण मछलियां बेहोश हुई और छोटी मछलियों की मौत हो गई।

गई, कंटेनर के नीचे फंस गया था उदयवीर का शव, बमुश्किल निकाला

मुरादाबाद में अलग-अलग हादसों में दो लोगों की जान चली गई। पाकबड़ा में हुए हादसे में शिक्षक उदयवीर अपने पिता को अस्पताल में भर्ती करा घर जा रहे थे। इसी बीच एक कंटेनर ने उन्हें टक्कर मार दी। दूसरा हादसा मूंढापांडे में हुआ। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर लोधीपुर राजपूत स्थित सीएनजी पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार शिक्षक कंटेनर ने टक्कर मार दी जिसमें हो गई। हादसे के बाद गया।हादसे के समय शिक्षक अस्पताल में पिता को भर्ती थे। संभल जिले के निवासी उदयवीर एक निजी की दोपहर उदयवीर के पिता गया था।उनको दिल्ली रोड भर्ती कराया गया था। शुक्रवार पिता को अस्पताल में भर्ती जाने को निकले थे। पाकबड़ा सीएनजी पंप के पास पहुंचकर दिल्ली की ओर से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने इनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक कंटनेर के नीचे फंस गई और शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कंटेनर के नीचे फंसे शिक्षक के शव को बाहर निकाला। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि कंटेनर को कब्जे में ले लिया चालक की तलाश की जा रही है। कार की टक्कर लगने से बाइक सवार की जान गई- दूसरे हादसे में मूंढापांडे के दलपतपुर-अलीगंज मार्ग पर करनपुर चौराहे के पास शुक्रवार की दोपहर दो बजे तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार नरेंद्र (45) की मौत हो गई जबकि उनके साथी अमित घायल हो गए। इसी कार ने एक दूसरी बाइक में भी टक्कर मारी जिसमें एक महिला घायल हो गई। पुलिस के मुताबिक भगतपुर थानाक्षेत्र के उदावाला निवासी नरेंद्र (45) अपने साथी अमित के साथ बाइक से दोपहर दो बजे दलपतपुर बिजलीघर से घर लौट रहे थे। मूंढापांडे थानाक्षेत्र में दलपतपुर अलीगंज मार्ग पर करनपुर चौराहे के पास पहुंचे तभी अलीगंज की ओर से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी जिसमें दोनों घायल हो गए। इस हादसे के बाद चालक कार छोड़कर भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को मूंढापांडे सीएचसी में भर्ती कराया। हादसे की जानकारी मिलने पर परिजन भी आ गए और दोनों को कांठ रोड स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां डाक्टरों ने नरेंद्र को मृत घोषित कर दिया है। उधर इस कार ने दूसरी बाइक में टक्कर मार दी जिससे रश्मि पत्नी राम कुंवर घायल हो गईं। उन्हें परिजन उपचार के लिए रामपुर के निजी अस्पताल ले गए। मूंढापांडे थाना प्रभारी मोहित चौधरी ने बताया कि तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। कार और चालक की तलाश की जा रही है। हादसे में दंपती घायल, बेटियों को भी लगी चोट- कुंदरकी में शुक्रवार शाम कुंदरकी बाईपास के जीरो प्वाइंट के पास हादसे में बाइक सवार कारपेंटर इमरान उनकी पत्नी शबनम तीन बेटी तमन्ना 4 वर्ष, बुशरा 3 वर्ष और आयरा 2 वर्ष घायल हो गईं। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। छजलैट थाना क्षेत्र के ग्राम चंगेरी निवासी इमरान बिलारी क्षेत्र के ग्राम पालनपुर में ससुराल से लौट रहे थे। कुंदरकी बाईपास के जीरो प्वाइंट के पास पीछे से तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी। आरोपी चालक कार समेत भाग गया।

शुक्रवार की रात करीब नौ बजे उदयवीर सिंह (30) को शिक्षक की मौके पर ही मौत चालक कंटेनर छोड़ कर भाग पाकबड़ा स्थित निजी कराने के बाद घर लौट रहे असमोली क्षेत्र के शाहपुर डसर स्कूल में शिक्षक थे। शुक्रवार ओमवीर को हार्ट अटैक पड़ स्थित टीएमयू अस्पताल में की रात करीब नौ बजे उदयवीर कराने के बाद बाइक से घर क्षेत्र के लोधीपुर राजपूत स्थित

छात्रों को चरस बेचते थे सगे भाई, पुलिस ने घेराबंदी कर तीन को पकड़ा, पूछताछ में हैरान करने वाला खुला

मुरादाबाद पुलिस ने छात्रों को चरस सप्लाई करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ केस दर्ज किय गया है। पुलिस को लंबे समय से इसकी शिकायत मिल रही थी। मुरादाबाद जिले के अलग-अलग शिक्षण संस्थानों के छात्रों को चरस की सप्लाई कर रहे आरोपी तस्कर राजाराम को पाकबड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिए। पुलिस ने इसके कब्जे से 1.53 किग्रा.चरस बरामद की है। पुलिस को चकमा देकर मौके से भागे दो भाइयों तुषार और स्वयं को सिविल लाइंस पुलिस ने गिरफ्तार किया है।एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि पाकबड़ा थाने की पुलिस को सूचना मिली कि बागड़पुर ओवरब्रिज के नीचे चरस की तस्करी करने वाला तस्कर मौजूद है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे मौके पर ही दबोच लिया लेकिन इसके दो साथी मौके से भाग गए।गिरफ्तार किए गए आरोपी ने अपना नाम राजाराम बताया। वह उतराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले के गदरपुर थाना क्षेत्र पपनेजा कॉलोनी निवासी और और पिछले तीन साल से मझोला के मिलन विहार में रहता है। वह जिले में अलग अलग शिक्षण संस्थानों में छात्रों को चरस व अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी करता है। चरस की डिमांड पर वह सिविल लाइंस के आदर्श कॉलोनी निवासी तुषार और उसके भाई स्वयं खरीदता है। इसके बाद आगे सप्लाई देता है। शुक्रवार को तुषार और स्वयं राजाराम के साथ पाकबड़ा में मौजूद थे लेकिन राजाराम के पकड़े जाने के बाद दोनों भाई मौके से भाग गए थे। इसकी जानकारी मिलने पर सिविल लाइंस थाने की पुलिस भी अलर्ट हो गई और तुषार और स्वयं को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस इनके अन्य नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है। पिता हरिद्वार में पकड़ा गया तो तुषार और स्वयं ने शुरू कर दिया धंधा एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि तुषार और स्वयं के पिता जगदीश उर्फ सेटी हरिद्वार में पुलिस ने 19 किलो ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया था।

संक्षिप्त समाचार

शादी समारोह में एक-दूसरे पर कुर्सियों से हमला, छेड़खानी का विरोध करने पर पति को पीटा

मुरादाबाद में अलग-अलग जगहों पर मारपीट की घटनाएं सामने आई हैं। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली हैं। पहली घटना में एक शादी समारोह में दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। उधर मझोला थानाक्षेत्र में लड़कियों से छेड़खानी करने का विरोध करने पर युवक पर हमला कर दिया गया। मुरादाबाद के कोतवाली क्षेत्र में शादी समारोह में दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई जिसमें दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर कुर्सियों से हमला किया। इस घटना का 49 सेकेंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बताया जा रहा है कि समारोह के दौरान नागफनी थाना क्षेत्र के कुछ लोग शादी समारोह में घुस आए और मारपीट करने लगे।वह एक दूसरे पर कुर्सी फेंकने लगे। इस घटना का कुछ युवकों ने वीडियो बना लिया जिससे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। सीओ कोतवाली सुनीता दहिया ने बताया कि सोशल मीडिया पर मारपीट का वीडियो वायरल हो रहा है। कोतवाली प्रभारी को जांच कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं।

अधिवक्ता के भाई को रास्ते में घेरकर पीटा- कटघर थानाक्षेत्र में अधिवक्ता के भाई को चार लोगों ने घेर लिया और मारपीट की जिसमें वह घायल हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर एक नामजद और तीन अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। कटघर थानाक्षेत्र के देहरी गांव निवासी अधिवक्ता हरविंदर सिंह ने दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि बुधवार की रात करीब 9:30 बजे उनके बड़े भाई श्याम सिंह अपने दूसरे घर में सोने के लिए जा रहे थे। आरोप लगाया इसी दौरान रास्ते में देहरी गांव निवासी विकास अपने तीन साथियों के साथ मिल गया और उसने श्याम सिंह के साथ गाली गलौज की। उन्होंने विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। इस घटना में श्याम सिंह के हाथ में फ्रैक्चर हो गया। कटघर थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर एक नामजद और तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

छेड़खानी के विरोध में युवक को पीटा- मझोला थानाक्षेत्र में लड़कियों से छेड़खानी कर रहे आरोपियों को युवक ने टोका तो उसके साथ मारपीट कर दी जिसमें वह घायल हो गया। युवक की पत्नी ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। मझोला के जयंतीपुर क्षेत्र में रहने वाली महिला ने दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि उसके मकान के ठीक सामने गलशहीद के असालतपुरा भूड़ा का चौराहा निवासी जुनैद का मकान है। आरोप लगाया कि जुनैद कोतवाली के लाल मस्जिद निवासी अयान और गलशहीद के समीर ने आठ दिसंबर की रात करीब एक बजे मोहल्ले में आने जाने वाले लड़कियों के साथ छेड़खानी की। शोरशराबा होने पर मोहल्ले लोग इकट्ठा हो गए उन्होंने आरोपियों की हरकतों का विरोध किया। इस दौरान महिला का पति भी वहां पहुंच गया। महिला के पति ने तीनों आरोपियों को समझाया कि वह मोहल्ले में इस तरह की हरकत न करें। इस पर आरोपी भड़क गए और तीनों ने महिला के पति पर हमला कर दिया। आरोपी जुनैद ने महिला के पेट में धारदार हथियार से हमला कर दिया जिसमें वह घायल हो गया। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी जुनैद, अयान और समीर के खिलाफ छेड़खानी, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

नमाज पढ़कर लौट रहे चाचा-भतीजे पर हमला- कटघर थानाक्षेत्र में नमाज पढ़कर लौट रहे चाचा-भतीजे को चार भाइयों ने रास्ते में घेर लिया और हमला कर दिया। आरोपियों ने भतीजे पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया जबकि चाचा पर लाठी डंडे से हमला किया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार सगे भाइयों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। कटघर के इस्लामनगर करूला निवासी मो. उमर ने दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि 10 दिसंबर की दोपहर करीब दो बजे वह अपने भतीजे समद के साथ नमाज पढ़ने के बाद घर लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में जुनैद उसका भाई जावेद, कैफ व फैज मिल गए। आरोप है कि चारों भाइयों ने चाचा-भतीजे को घेर लिया और उनकी पिटाई शुरू कर दी। आरोपियों ने समद के कंधे पर चाकू से हमला किया जबकि चाचा पर लाठी डंडों से हमला किया जिसमें दोनों घायल हो गए। मो. उमर और उसके भतीजे समद की चीखपुकार सुनकर लोग इकट्ठा हुए तो आरोपी धमकी देकर भाग गए। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर चारों आरोपी भाइयों के खिलाफ के खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमला, धमकी देने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

SIR में बरेली मंडल के 96 लाख मतदाताओं में से 20 लाख फर्जी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। कैंट विधानसभा क्षेत्र के 3.83 लाख मतदाताओं में से 1.38 लाख अपात्र मिले हैं। इनमें 16,959 हजार मृतक, 62 हजार लोग अनुपस्थित पाए गए हैं। 44 हजार लोग दूसरी जगह शिफ्ट हो चुके हैं। 8,488 लोग दो बूथों पर मतदाता हैं। बरेली शहर विधानसभा क्षेत्र में वोटरों की कुल संख्या 4.78 लाख है। इसमें 35.89 फीसदी यानी 1.68 लाख वोटर अपात्र पाए गए हैं। इसमें 19 हजार मृतक, 89 वोटर अनुपस्थित मिले। 51 हजार मतदाता दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं। शाहजहांपुर नगर विधानसभा क्षेत्र के 4.36 लाख वोटरों में से 1.47 लाख अपात्र मिले हैं। जिला पात्र मतदाता अपात्र- बरेली 34,05,821 7,27,130 बदायूं 24,18,408 5,06,565 पीलीभीत 14,67,988 2,04,177 शाहजहांपुर 23,15,538 5,35,148 ये हैं प्रमुख कारण - किरायेदार वोटरों का अपने मूल निवास पर गणना प्रपत्र भरने को प्राथमिकता देना। घनी आबादी में बसे स्थानीय निवासियों ने शहर के बाहर विकसित नई कॉलोनियों में घर बना लिया। संपन्न ग्रामीणों का शहर में दूसरा मकान बनाना और अपने मूल गांव में मतगणना प्रपत्र जमा करना। आजीविका के लिए अन्य शहरों में जाकर निवास करना। वर्ष 2003 के बाद नई कॉलोनियों का विकसित होना। कर्मचारियों का स्थानांतरण होकर अन्यत्र चले जाना।

अपने ही बने जान के दुश्मन संपत्ति की खातिर पिता को पीटा, कुत्ते की जूठी रोटी खिलाने का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र के रहपुरा चौधरी निवासी शाकिर नाम का युवक एसएसपी दफ्तर के बाहर जहर खाने का ड्रामा करके तीन दिन पहले जिला अस्पताल में भर्ती हुआ था, उसने अपने पिता और भाइयों पर संपत्ति न देने का आरोप लगाया था। अब इस मामले में नया मोड़ आया है। शाकिर के पिता मुकद्दर अपने दूसरे बेटों के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंचे और उन्होंने बेटे शाकिर और बहू पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मुकद्दर ने बताया कि वह 70 साल के हो चुके हैं। उनका बेटा शाकिर और उसकी पत्नी रिहाना उन्हें परेशान करते रहते हैं और संपत्ति अपने नाम कराना चाहते हैं। जबकि उनके पांच बेटे और हैं। कुछ समय पहले शाकिर ने उनकी पत्नी हमीदन की पिटाई की थी और उनके सीने पर लात मार दी थी। इलाज के दौरान उनकी पत्नी की मौत हो गई थी। इसके बाद सभी बेटे अलग-अलग रहने लगे। मुकद्दर छह-छह महीने अपने बेटों के साथ रहते हैं। जान से मारने की धमकी देने का आरोप उनका आरोप है कि बड़ा बेटा शाकिर और बहू रिहाना उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। खाना मांगने पर अभद्रता करते हैं। उन्हें कई बार कुत्ते के जूठी रोटी भी खिलाई। बेटा-बहू पर पीटने का आरोप भी लगाया। उन्होंने बताया कि शाकिर ने धमकी दी है कि वह कोई ऐसा कांड करेगा कि पूरा घर जेल पहुंच जाएगा। इज्जतनगर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो पशुओं की गला घोट बीमारी से मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / तहसील अमरिया के भरा पचपेड़ा में दो परिवारों में दो जानवरों पशु की गला घोट के कारण हुई मौत जिसमें परिवार के लोगों ने बताया कि नरेश कुमार नाम एक डॉक्टर आता है और अपने कुछ संबंधित लोगों के वहां टीकाकरण करता है और उनसे लिखवा करके लेकर चले जाता है कि मैंने टीकाकरण कर दिया और अपने उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट भेजता है लेकिन आज एक अनहोनी बात देखने एवं सुनने को मिली दो परिवार के लोगों ने आरोप लगाया कि नरेश कुमार नाम का डॉक्टर हमारे घर टीकाकरण करने कभी भी आता ही नहीं है जिसके कारण आज हमारे दो मवेशी पशु गला घोट के कारण मर गए हैं जबकि हम लोग गरीब और निर्धन लोग हैं किसी भी प्राइवेट डॉक्टर से इलाज कराने के लिए सक्षम नहीं है अगर गांव में कोई भी व्यक्ति इस डॉक्टर से पूछता है तो यह किसी राजनीतिक पार्टी का नाम लेकर के लोगों को धमकियां देता हैद्य

एसबीआई ने गंगाशील चैरिटेबल ट्रस्ट को मरीजों की सेवा हेतु एंबुलेंस प्रदान की

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। भारतीय स्टेट बैंक अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत समाज के विभिन्न वर्गों के कल्याण हेतु निरंतर कार्य करता आ रहा है। बैंक विशेष रूप से निर्बल, वंचित एवं अल्पसुविधा प्राप्त वर्गों के जीवनस्तर में सुधार लाने के लिए अनेक सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को एसबीआई के प्रबंध निदेशक रामा मोहन राव अमरा ने बैंक की बरेली मुख्य शाखा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान गंगाशील चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित अस्पताल को मरीजों की सेवा हेतु एक एंबुलेंस प्रदान की। इस अवसर पर रामा मोहन राव अमरा ने कहा कि एसबीआई विगत 200 वर्षों से अधिक समय से अपने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्ध है। बैंक समय-समय पर सीएसआर के तहत प्राथमिक विद्यालयों, वृद्धाश्रमों, महिला आश्रय स्थलों, अनाथालयों, दिव्यांग विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, पीएचसी, शौचालयों के उन्नयन, सैनिटरी पैड एवं साइकिल वितरण जैसी अनेक गतिविधियां संचालित करता है। भविष्य में भी बैंक समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करता रहेगा। उन्होंने बैंक के डिजिटल उत्पादों की जानकारी देते हुए ड्डह्हह्ह 2.0 सहित अन्य आधुनिक डिजिटल सेवाओं पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर लखनऊ मंडल के मुख्य महाप्रबंधक दीपक कुमार दे ने कहा कि हर भारतीय का बैंक होने के नाते एसबीआई न केवल बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है, बल्कि सामाजिक सरोकारों से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। कार्यक्रम में एसबीआई के महाप्रबंधक अनिल कुमार, बरेली मॉड्यूल के उप महाप्रबंधक सुमन बक्शी, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय-1 के क्षेत्रीय प्रबंधक नीरज कुमार राय, गंगाशील चैरिटेबल ट्रस्ट की कार्यकारी निदेशक डॉ. शालिनी माहेश्वरी, ट्रस्ट के अन्य प्रतिनिधि, बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत प्रबंध निदेशक श्री रामा मोहन राव अमरा द्वारा बरेली मुख्य शाखा परिसर में पौधारोपण भी किया गया।

सीए विनय कृष्ण बने रोटरी के नए डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, वर्ष 2028-29 में संभालेंगे कार्यभार, निर्विरोध निर्वाचित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। रोटरी इंटरनेशनल जिला 3110 के लिए रोटेरियन सीए विनय कृष्ण को सर्वसम्मति से डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (डीजीएनडी) चुना गया है। उनको रोटरी वर्ष 2028-29 हेतु डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया है। रोटरी क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनको बधाई दी। एक जाने माने समाजसेवी, चार्टड एकाउंटेंट व सक्रिय रोटेरियन के रूप में सीए विनय कृष्ण लम्बे समय से विभिन्न समाजिक कार्यो में सक्रिय रहे हैं। उन्होंने रोटरी क्लब की सदस्यता को बढ़ाने के साथ साथ बड़े स्तर पर मानवीय परियोजनाओं में भी अपनी प्रमुख भूमिका को निभाया है। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3110 में 36 प्रशासनिक जिले आते हैं, जिनमें कुमाऊं मंडल उत्तराखंड के साथ साथ बरेली, आगरा, कानपुर से लेकर झांसी तक का क्षेत्र शामिल है। श्री कृष्ण को निर्विरोध चुना गया है। वह रोटरी वर्ष 2028-29 में मंडलाध्यक्ष का पदभार संभालेंगे। रोटरी जिला 3110 उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 140 से अधिक रोटरी क्लबों का प्रतिनिधित्व करता है। वैश्विक स्तर पर रोटरी क्लब की 200 से अधिक देशों में 14 लाख से अधिक सदस्य संख्या है। निर्विरोध निर्वाचन के बाद सीए विनय कृष्ण ने कहा कि - यह मेरे लिए अत्यंत सम्मान और विनम्रता का क्षण है। रोटरी परिवार द्वारा मुझ पर प्रकट किए गए विश्वास और सर्वसम्मति समर्थन के लिए मैं हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। आने वाले वर्षों में मैं सेवा के प्रभाव को और मजबूत करने, क्लबों को सशक्त बनाने और समाज के उत्थान लिए सार्थक परियोजनाओं पर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। सीए विनय कृष्ण के निर्वाचन पर विभिन्न क्लबों के पदाधिकारियों व रोटरी के सदस्यों ने ढोल बजाकर स्वागत किया, नृत्य करके खुशी का इजहार किया व अपनी बधाई दी। इस अवसर पर वर्तमान मंडलाध्यक्ष राजन विद्यार्थी, मोहन गुप्ता, अरविंद गुप्ता, नरेश मलिक, पंकज श्रीवास्तव, आलोक प्रकाश, शेखर यादव, अमित मनोहर, विमल अवल, शलभ गोयल, सुधांशु शर्मा, राजीव गुप्ता, प्रधीर गुप्ता, अनुज जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 181462 वादों का सुलह समझौते के आधार पर हुआ सफल निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा - निर्देशन में जनपद न्यायाधीश प्रदीप कुमार सिंह-द्वितीय, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बरेली, द्वारा ऱाष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ देवी सरस्वती एवं गणेश भगवान की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायिक अधिकारियों, विभिन्न बैंकों, बीमा कंपनियों, अधिवक्ताओं एवं पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया एवं लंबित वादों का निस्तारण कराया। अपर जनपद न्यायाधीश श्री रामानन्द, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, बरेली ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से कुल 181462 वादों का सफल निस्तारण कर 300730555 रुपये की धनराशि का आदेश पारित किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में सत्र न्यायालयों द्वारा 927 वादों का निस्तारण कर 6800 रुपये की जुर्माना राशि, दीवानी न्यायालयों द्वारा 25621 वादों का निस्तारण कर 15288616 रुपये की जुर्माना राशि, फौजदारी न्यायालयों द्वारा 4664 वादों का निस्तारण कर 1939050 रुपये की जुर्माना धनराशि का आदेश पारित किया गया। लोक अदालत में गिले शिकवे दूर कर पारिवारिक न्यायालयों द्वारा 223 जोड़ो के मध्य समझौता कराया गया। प्रधान न्यायाधीश, श्री मोहम्मद अशरफ अन्सारी द्वारा 64 वादों में आपसी समझौता कराया गया, अपर प्रधान न्यायाधीश श्री संजय कुमार सिंह द्वारा 50 वादों का, श्रीमती छाया नैन द्वारा 45 वादों का व श्री ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी द्वारा 64 वादों का निस्तारण किया गया। मोटर दावा दुर्घटना अधिकरण द्वारा 216 वादों का निस्तारण कर 108114000 रुपये की समझौता धनराशि, वाणिज्यिक न्यायालय द्वारा 9 वादों का निस्तारण कर 7055470 रुपये की समझौता धनराशि का आदेश पारित किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में 42891 वादों का, सम्भागीय परिवहन विभाग द्वारा 1563 मामलों का निस्तारण कर 816050 रुपये की समझौता राशि, पुलिस विभाग द्वारा 77159 मामलों का जिसमें 26607 ई चालानों का निस्तारण कर 26288690 रुपये की जुर्माना राशि, कैनाल न्यायालय द्वारा 7 मामलों का निस्तारण कर 700 रुपये की समझौता राशि, उपभोक्ता फोरम द्वारा 6 वादों का निस्तारण कर 3125962 रुपये की समझौता राशि, श्रम विभाग द्वारा 25 वादों का निस्तारण कर 30534434 रुपये की समझौता राशि, बी.डी.ए. द्वारा 8 वाद, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 1694 मामलों का, नगर निगम द्वारा 10866 मामलों का निस्तारण किया गया तथा भारत संचार निगम लिमिटेड द्वारा 49 मामलों का निस्तारण कर 104783 रुपये की समझौता धनराशि एवं जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा 14043 मामलों के निस्तारण का आदेश पारित किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों एवं पुलिस अधीक्षक- यातायात, बरेली द्वारा कुल 52542 ई चालानों का निस्तारण किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बरेली के अपर जनपद न्यायाधीश श्री उमा शंकर कहार ने बताया कि लोक अदालत के आयोजन में जनपद न्यायालय परिसर में बैंक वादों के निस्तारण हेतु 20 पीठों का गठन किया गया जिनके समक्ष विभिन्न बैंक द्वारा बैंक ऋण से संबंधित 1511 वादों का निस्तारण किया गया एवं कुल ऋण धनराशि 107456000 रुपये वसूल की गई। लोक अदालत में केन्द्रीय कारागार-प्रथम, बरेली में निरुद्ध बन्दियों द्वारा तैयार की गयीं हस्तशिल्प वस्तुओं एवं केन्द्रीय कारागार-द्वितीय/जिला कारागार, बरेली में निरुद्ध बन्दियों द्वारा तैयार किये गये औषधीय पौधों की प्रदर्शनी लगायी गयी एवं विक्रय किया गया। लोक अदालत परिसर में स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार की गयी वस्तुओं का भी विक्रय किया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री उमा शंकर कहार ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आम जनता को परेशानियों से बचाने और जानकारी देने के लिए लोक अदालत परिसर में हेल्प डेस्क बनाया गया जिसमें पैरा लीगल वालंटियर उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में समस्त न्यायिक अधिकारियों, बैंक-बीमा कंपनी के अधिकारियों, अन्य न्यायिक कर्मचारियों, पराविधिक स्वयं सेवकों तथा मीडिया कर्मियों का भी योगदान रहा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सीएमओ पर हाईकोर्ट हुआ सख्त, कहा- आप जैसे अफसरों की मनमानी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। ईलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली के सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह और झोलाछाप नियंत्रण सेल के नोडल अधिकारी डॉ. अमित कुमार के 14 और 15 नवंबर के आदेशों को निरस्त कर दिया है। उन्होंने बिना सुनवाई स्टाफ नर्स को हटा दिया था। जस्टिस पीयूष अग्रवाल की बेंच ने कहा कि डॉ. सिंह और डॉ. कुमार ने जो आदेश दिए हैं, वे न सिर्फ गैरकानूनी हैं, बल्कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का खुलेआम कत्ल है। बिना वजह का आदेश मृतप्राय और जीवनहीन होता है। ऐसे अफसरों की यह मनमानी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ये दोनों अधिकारी भूल गए कि कर्मचारी को बोलने व बचाव करने का हक है। न नोटिस, न सुनवाई, न कारण, बस फाइल पर कलम घुमाई और कर्मचारी सड़क पर... यह फासीवाद नहीं तो और क्या है...? हाईकोर्ट ने मामले को वापस भेज दिया है। अब डॉ. विश्राम सिंह और डॉ. अमित कुमार को खुली सुनवाई करनी होगी। स्टाफ नर्स को मौका देना होगा और लिखित में कारण बताते हुए आदेश पारित करना होगा। नर्स को हटाने का दिया था आदेश शीशगढ़ में तैनात स्टाफ नर्स सुमन लता को बिना नोटिस, बिना सुनवाई और स्पष्टीकरण के हटाने का आदेश दिया था। नर्स ने इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट की शरण ली थी। कोर्ट ने इसे न्याय की हत्या और मनमानी की पराकाष्ठा बताया है।

सफाई कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष धर्मपाल सिंह ने सफाई कर्मियों की समस्या को लेकर की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / पूर्व सूचना के आधार पर उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जनपद शाखा पीलीभीत के जिला अध्यक्ष धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में विकासखंड ललौरीखेड़ा के सभागार कक्ष में सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें ब्लॉक स्तरीय एवं जिला स्तरीय संगठन के पदाधिकारी ने प्रतिभा किया आयोजित बैठक को संबोधन करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष हरपाल सिंह ने पदाधिकारी को अवगत कराया कि सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति नवंबर 2009 में हुई थी वर्ष 2010 में लगने वाली वेतन वृद्धि न लगाकर जुलाई 2011 में लगाई थी जिससे सभी कर्मचारियों की एक वेतन वृद्धि छोटी हुई है और साथवे वेतन आयोग लागू होने पर सभी कर्मचारियों का फिक्सेशन गलत तरीके से किया गया था जिससे उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों से पीलीभीत के कर्मचारियों को कम वेतन मिल रहा है जिला अध्यक्ष धर्मपाल सिंह ने अपनी संबोधन में कर्मचारियों को अवगत कराया की प्रथम एसीपी का लाभ 10 वर्ष की संतोषजनक सेवा होने के उपरांत 2019 में लाभ दिया गया था लेकिन वेतन विसंगति को दूर नहीं किया गया था द्वितीय एसीपी का लाभ 16 वर्ष की संतोष जनक सेवा पूर्ण करने के उपरांत जनवरी 2026 में द्वितीय एसीपी का लाभ दिया जाना है लेकिन विभाग द्वारा सफाई कर्मचारियों की द्वितीय एसीपी लगाने हेतु अभी तक कोई भी एसीपी कमेटी का गठन नहीं किया गया है और ना ही वेतन विसंगति को दूर किया जा रहा है जबकि कर्मचारियों द्वारा अपनी अपनी चरित्र प्रविष्टियां जिला मुख्यालय पर सहायक विकास अधिकारी पंचायत के माध्यम से पहुंचा दी गई है संगठन के ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारी एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी में बैठक कर रणनीति तैयार कर ली है और बैठक सर्व समिति से निर्णय लिया गया है जनवरी 2026 में द्वितीय एसीपी का लाभ एवं वेतन विसंगति दूर करने के लिए हर स्तर पर अपनी समस्या को उच्च अधिकारियों से से वार्ता कर समस्या का समाधान कराएंगे साथ ही ऐसे कर्मचारी जो मृतक आश्रित के रूप में सेवा कर रहे हैं उन्हें 10 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं लेकिन अभी तक उनकी प्रथम एसीपी नहीं लगी है कुछ ऐसे कर्मचारी प्रथम एसीपी लगने से वंचित रह गए हैं जो एसीपी लगने के दौरान उनकी 10 वर्ष की संतोष जनक सेवा पूर्ण नहीं थी आज ऐसे सभी कर्मचारियों की संतोष जनक सेवा पूर्ण हो चुकी हैं ऐसे सभी कर्मचारियों को प्रथम एसीपी का लाभ महा जनवरी 2026 में दिया जाए बैठक का संचालन शाहिद नबी ने किया बैठक में उपस्थित संगठन मंत्री दिनेश भारती संस्कृत मंत्री हाशिमनाज कोषाध्यक्ष दीनानाथ उर्फ देवेश जिला संम्प्रेक्षक ?(ऑडिटर) माजिद अली मीडिया प्रभारी वाहिद अली. एवं ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारी राजेश बाबू हर नारायण लाल वेद प्रकाश शिवकुमार परमात्मा स्वरुप जितेंद्र अमित कश्यप करमचंद सुखलाल जोगिंदर सिंह दीपचंद हुकम सिंह, मदनलाल सभी ब्लॉकों के सैकड़ो पदाधिकारी मौजूद रहे ?। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जनपद शाखा पीलीभीत

प्रभारी मंत्री ने जिला विकास कार्यों की समीक्षा कर दिए सख्त निर्देश

लापरवाही बर्दाश्त नहीं, सभी योजनाएं समय-सीमा में पूरी हों - प्रद्युम्न सिंह तोमर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ शिवपुरी,राज कुमार शर्मा (कटारे) जिले के प्रभारी एवं ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में जिले में निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में कार्य पूरी तत्परता एवं गुणवत्ता के साथ समय-लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं एवं निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने दो वर्षों की उपलब्धियों की समीक्षा करते से मध्यप्रदेश का तीसरा बड़ा जिला है, जिसका जिले में 3,433 वर्ग किलोमीटर आरक्षित कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन पाए जाते हैं। 87 सड़कों में से 38 सड़कों का कार्य पूर्ण निर्माण कार्य प्रगतिरत है, जिन्हें 31 मार्च एमपीआरडीसी द्वारा निर्मित किए जा रहे कूनो एवं श्योपुर तक आवागमन सुगम होगा, उन्होंने बताया कि शिवपुरी-पोहरी मार्ग पर

लागत से ऑवरब्रिज का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इसके पूर्ण होने से रेलवे फाटक के कारण लगने वाले जाम से शहर को मुक्ति मिलेगी और वर्षभर निर्वाध यातायात संभव हो सकेगा। इसके साथ ही कूनो एवं रैन्पी नदी पर 15.59 करोड़ रुपये की लागत से दो जलमग्नीय पुलों के निर्माण से क्षेत्रवासियों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिली है। कायाकल्प योजना के अंतर्गत जिले के विभिन्न नगरीय निकायों में 24.55 करोड़ रुपये की लागत से डामरीकरण एवं सीसी रोड निर्माण के कार्य प्रगतिरत हैं। पीएम जनमन योजना के तहत 248 सहरिया बसाहटों में 3,291 हितग्राहियों को विद्युत कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। सिंचाई परियोजनाओं की जानकारी देते हुए मंत्री श्री तोमर ने बताया कि पिछोर विकासखंड के ग्राम राजोर (महुआखेड़ा) में सनीप सनघटा (ऐर) मध्यम सिंचाई योजना को 145.45 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना से 22 ग्रामों के 4,630 हेक्टेयर क्षेत्र में दाबयुक्त पाइप नहर प्रणाली के माध्यम से सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इसी प्रकार पोहरी विकासखंड के पोहरी नगर पंचायत के समीप सरकुला मध्यम सिंचाई योजना को 226.62 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है, जिससे 43 ग्रामों के 8,277 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा सुदृढ़ होगी। बैठक में विधायक करैरा श्री रमेश खटीक, विधायक पोहरी श्री कैलाश कुशवाह, विधायक पिछोर श्री प्रीतम सिंह लोधी, विधायक कोलारस श्री महेन्द्र सिंह यादव, पूर्व मंत्री श्री सुरेश राठखेड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री जसमंत जाटव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नेहा यादव, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गायत्री शर्मा, सांसद प्रतिनिधि श्री राकेश गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बदायूं में घुसपैठियों के विरुद्ध चलाया बड़ा अभियान, पुलिस ने कई संदिग्धों को पकड़ा; अवैध कब्जे हटवाए

बदायूं में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिया होने की आशंका पर पुलिस-प्रशासन ने शनिवार को विशेष अभियान चलाया। सड़क किनारे झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के पहचान संबंधी दस्तावेज जांचे गए। इस दौरान जो लोग कोई वैध पहचान पत्र नहीं दिखा पाए, उन्हें हिरासत में लिया गया है।बदायूं में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ पुलिस-प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए शनिवार को अभियान चलाया। शहर के लालपुल अभियान से इलाके में हड़कंप मच गया। हालांकि लेकिन बड़े सरकार में अवैध रूप से वर्षों से वैध पहचान पत्र के मिले लोगों को हिरासत में बनाए जा रहे हैं। यह मकान भी बाहरी लोगों के की जांच के बाद इस बारे में अधिकारिक जानकारी बड़े सरकार परिसर और उसके आसपास झोपड़ी, जांच की। सभी से आधार कार्ड, वोटर आईडी कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके, वहीं, परिसर स्थित मुसाफिरखाने में रह रहे लोगों अन्य जनपदों से आकर वर्षों से परिवार सहित के बाद प्रशासन ने इन सभी कब्जों को गैरकानूनी से रह रहे लोगों को चेतावनी दी गई कि वे शाम हटा लें, अन्यथा बलपूर्वक हटाने की कार्रवाई सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश पाल, सीओ नगर रजनीश

स्थित बड़े सरकार परिसर में चलाए गए इस संयुक्त पुलिस को बांग्लादेशी और रोहिंग्या तो नहीं मिले, चले आ रहे अवैध कब्जों को हटवाया गया। बिना लिया गया। यहां पर काफी संख्या में नए मकान भी बताए जा रहे हैं। हालांकि पुलिस व प्रशासनिक टीमों सामने आ सकेगी।पुलिस और प्रशासन की टीम ने तिरपाल व पन्नी डालकर रह रहे लोगों की गहन समेत अन्य वैध पहचान पत्र मांगे गए। कई लोग जिन्हें संदिग्ध मानते हुए हिरासत में लिया गया। से पूछताछ की गई, तो सामने आया कि कई लोग यहां रह रहे हैं। अवैध कब्जा हटाने के आदेश - जांच बताते हुए सख्ती से हटाने के निर्देश दिए। अवैध रूप तक स्वयं अपनी झोपड़ियां और अस्थायी निर्माण की जाएगी। मौके पर एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी, कुमार उपाध्याय, कोतवाली प्रभारी संजय कुमार, सिविल लाइन इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह तोमर, महिला थाना प्रभारी ज्योति सिंह सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा।पक्के मकान बनाकर रह रहे लोग भी जांच के दायरे में- छापेमारी के दौरान पुलिस-प्रशासन ने पाया कि तमाम लोग अस्थायी झोपड़ीनुमा घर बनाकर रह रहे हैं। इसके साथ ही कई लोगों ने वहां पक्के मकान भी बना लिए हैं। जांच में सामने आया कि जिन लोगों ने पक्के मकान बना रखे हैं, उनमें से कुछ के नाम जमीन दर्ज है, जबकि कई मामलों में भूमि स्वामित्व को लेकर स्थिति संदिग्ध पाई गई। कई लोगों को बिजली कनेक्शन दिए जाने का मामला भी सामने आया। हैरानी की बात यह रही कि बिना किसी जांच-पड़ताल के मीटर तक लगाए गए थे। प्रशासन ने इस मामले में बिजली विभाग की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए जांच के संकेत दिए हैं। बिना अनुमति के बनाया गया धर्मस्थल - जांच के दौरान पुलिस-प्रशासन को परिसर में बिना अनुमति के संचालित मदरसा भी मिला। मदरसे में दो हुक्के रखे मिले और पढ़ाई के नाम पर फर्जी किताबें भी पाई गईं। टीम के पहुंचने की सूचना मिलते ही मदरसा संचालक ताला लगाकर भाग गया। बाद में पुलिस के बुलाने पर वह कई आईडी एकत्र कर लाया और खुद को पास के गांव का निवासी बताया। यहां बिना अनुमति के धर्मस्थल भी बनाया गया। प्रशासन ने फर्जी मदरसा और प्रतिबंधित लाउडस्पीकर हटाने के निर्देश दिए।कई दुकानदार भी नहीं दिखा सके पहचान पत्र- आईडी जांच के दौरान कई दुकानदार मौके पर मौजूद नहीं मिले। बार-बार बुलाने के बावजूद वे सामने नहीं आए, जबकि दुकानें खुली रहीं। इसी तरह स्थायी रूप से घर बनाकर रह रहे कई लोग भी कार्रवाई से पहले ही घरों पर ताले डालकर भाग गए। एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी ने बताया कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की आशंका को लेकर बड़े सरकार परिसर में अभियान चलाया गया। इस दौरान कुछ लोग बिना पहचान पत्र के मिले, जिन्हें हिरासत में लिया गया है। अन्य जनपदों से आकर वर्षों से अवैध रूप से रह रहे लोगों को हटाया गया है। अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

बरेली में ताहिर अली ने बेटी के निकाह में हिंदू समाज को दी दावत, मौलानाओं ने जारी किया फतवा

बरेली के भोजीपुरा क्षेत्र से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। ताहिर अली ने अपनी बेटी के निकाह में हिंदू समाज के लोगों को दावत दी, जिससे कुछ मौलाना खफा हो गए। आरोप है कि

मौलानाओं ने फतवा जारी कर दिया। इसके बाद उनके यहां दावत में मुस्लिम समाज के लोग नहीं आए। बरेली के भोजीपुरा में बहावी मत को मानने वाले ताहिर अली की बेटी के निकाह में हिंदू समाज के लोगों को दावत दी गई। इससे सुन्नी जमात के लोग नाराज हो गए। आरोप है कि मौलानाओं ने व्हाट्सएप ग्रुप पर फतवा जारी कर सुन्नी जमात के लोगों दावत खाने से रोक दिया। जिसकी वजह से ताहिर अली को करीब छह लाख रुपये का नुकसान हुआ है।ताहिर अली भोजीपुरा थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर जाटान के रहने वाले हैं। इनकी बेटी फिजा की शादी तीन दिसंबर को थी। ताहिर अली ने एक दिसंबर को हिंदू समाज के लोगों को दावत खिलाई थी। इसके बाद दो दिसंबर को मुस्लिम समाज के लिए दावत खिलाने लिए खाना बनवाया। इससे कुछ मौलाना नाराज हो गए। ताहिर का आरोप है कि इन मौलानाओं के साथ 50/60 कट्टरपंथी लोगों ने व्हाट्सएप पर ग्रुप बना रखा है। फतवा जारी कर समाज के लोगों को दावत में आने से रोका - ताहिर अली का कहना है कि उक्त मौलानाओं व इनके कट्टरपंथी साथियों ने उनसे कहा कि वे लोग हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराते हैं और इस्लाम धर्म का विस्तार करते हैं। तुम्हारे यहां दावत खिलाई जा रही है। ताहिर का आरोप है कि मौलानाओं ने कहा कि हिंदुओं के खाने में मांस मिलाकर धर्म परिवर्तन करवाओ। पीड़ित ने उनकी बात नहीं मानी तो मौलानाओं ने फतवा जारी कर मुस्लिम समाज के लोगों को दावत में आने से रोक दिया। जिसकी वजह से ताहिर अली के यहां दावत का खाना धरा रह गया। ताहिर के मुताबिक करीब छह लाख रुपये का नुकसान हुआ है। ताहिर अली ने एसएसपी अनुराग आर्य को शिकायती पत्र दिया। एसएसपी ने प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा को जांच के आदेश दिए हैं। प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा राजीव कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

एस के पब्लिक बरहैनी स्कूल में वार्षिक समारोह का भव्य आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / एस के पब्लिक स्कूल बरहैनी में आज वार्षिक समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि

एस ओ मुनीर अहमद अमरिया अजय तिवारी चौकी इंचार्ज बरहैनी ,मिस पिंकी विद्यालय के प्रबंधक जगजीत सिंह ,प्रधानाचार्य जीवन शर्मा, मोहनचंद्र तिवारी , स्पेंसर , समस्त शिक्षकगण, अभिभावक तथा अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें नृत्य, गीत, नाटक और देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियाँ शामिल रहीं। विद्यार्थियों की प्रतिभा और आत्मविश्वास ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य जीवन शर्मा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का महत्व बताया। अंत में विद्यालय परिवार द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। वार्षिक समारोह सभी के लिए एक यादगार अनुभव रहा।

मालगाड़ी की चपेट में आकर मजदूर की मौत, जेब से मिले मोबाइल नंबर से हुई पहचान

फफूंद स्टेशन से इटावा की तरफ जाने वाले डीएफसी ट्रैक पर शनिवार शाम साढ़े बजे के करीब एक एक मजदूर मालगाड़ी की चपेट में आ गया। इससे उसकी कटकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को सीएचसी भिजवाया।

तलाशी में मृतक की जेब से एक पर्ची में फोन नंबर निकला। उससे उसकी पहचान हो सकी।प्रभारी निरीक्षक रुद्र प्रताप नरायण त्रिपाठी ने बताया कि मृतक की पहचान कानपुर देहात के राजपुर थाना क्षेत्र के रमऊ गांव निवासी लालजी के रूप में हुई गई। उसकी उम्र करीब 52 साल थी और वह पल्लेदारी करता था। पुलिस ने शव को चिचौली स्थित मोर्चरी के लिए भिजवा दिया। परिजनों के आने का इंतजार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि डीएफसी ट्रैक के पास बनी बाउंड्रीवॉल के नीचे खुले रास्ते से निकलने के दौरान वह मालगाड़ी की चपेट में आ गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया मृतक के जेब से मिले मोबाइल नंबर के आधार पर पहचान की गई है। परिजनो को सूचना दे दी गई है और उनके आने का इंतजार किया जा रहा है।

चोरों ने पहले बाहर से बंद किए पड़ोसियों के घर, फिर इत्मीनान से की चोरी; उड़ा ले गए लाखों के गहने-नकदी

राजधानी से चोरी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां चोरों ने पहले पड़ोसियों के घर बाहर से बंद किए। फिर एक घर में इत्मीनान से चोरी की। आठ लाख के गहने और नकदी उड़ा ले गए। राजधानी लखनऊ में ठाकुरगंज के निवाजगंज टाउन हॉल निवासी पूनम सिंह

के घर का ताला तोड़कर चोर ने लाखों के गहने और हजारों की नकदी पार कर दी। इससे पहले चोर ने आसपास के घरों के गेट बाहर से बंद कर दिए। पीड़िता ने थाने में तहरीर दी है।पूनम के पति शैलेंद्र सिंह टीबी अस्पताल में भर्ती थे। बृहस्पतिवार रात पूनम और उनका बेटा अक्षित सिंह अस्पताल में थे। पूनम ने बताया कि चोर गेट का ताला तोड़कर कमरे में घुसे और बेड में रखे करीब आठ लाख के जेवर और 50 हजार रुपये चोरी कर लिए। अक्षित ने बताया कि रात करीब 3.30 बजे घर में खटपट सुन स्थानीय लोगों ने उन्हें सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने घरों के दरवाजों में बाहर से बंद बेलन खोले तब लोग बाहर निकल सके। शनिवार को घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

प्रसूता की मौत पर युवक कांग्रेस में आक्रोश, मुख्यमंत्री व राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच /घनश्याम प्रसाद शर्मा/ पन्ना। पिपरिया खुर्द निवासी श्रीमती संजो लोधी की प्रसव के दौरान नर्सों की गंभीर लापरवाही से हुई मौत के विरोध में आज युवक कांग्रेस जिला पन्ना ने मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल महोदय के नाम तहसीलदार रैपुरा के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता पीड़ित पति छोटे लाल लोधी को साथ लेकर तहसील परिसर पहुंचे, जहां

उन्होंने पीड़ित परिवार का पक्ष मजबूती से प्रशासन के सामने रखा और न्याय दिलाने की मांग उठाई। इस दौरान कांग्रेस नेता नीरज बड़ागांव ने कहा कि यदि यहां पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलता है, तो युवक कांग्रेस पीड़ित परिवार को साथ लेकर कोर्ट जाएगी और वहां से न्यायालय के माध्यम से न्याय लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में परिवार अकेला नहीं है–कांग्रेसी साथी हर कदम पर उनके साथ खड़े हैं। युवक कांग्रेस ने घटना को स्वास्थ्य विभाग की गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी कई चिंताजनक तथ्य सामने आए हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। युवक कांग्रेस की प्रमुख मांगें– दोषी नर्सों व जिम्मेदार स्वास्थ्य अधिकारियों पर तत्काल निलंबन एवं कठोर विभागीय कार्रवाई। पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता एवं मुआवजा। मजिस्ट्रियल जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई। जिले के अस्पतालों में स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए। युवक कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो संगठन बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख कांग्रेसी– जिला अध्यक्ष युवक कांग्रेस श्री सौरभ राजपाल सिंह, नीरज बड़ागांव, नरेंद्र तिवारी, अजय पाल सिंह बुंदेला (मनकोरा), सुखनंदी कोरी,राजकुमार चौधरी प्रताप सेन,अजय चौरसिया सहित अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूरनपुर क्षेत्र में रात के अंधेरे में धड़ल्ले से हो रहा अवैध मिट्टी खनन अधिकारी बने

सुबह होती ही बंद हो जाती मिट्टी भरी ट्रालियां

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर–पीलीभीत। पूरनपुर तहसील क्षेत्र में धड़ल्ले से हो रहा अवैध मिट्टी खनन अधिकारी मौन बने हुए हैं।एक सप्ताह से नगर के आस पास गांवों में रात होते ही दर्जनों अवैध मिट्टी भरी ट्रालियां रोड पर दौड़ने लगती है। तहसील के अधिकारी और कर्मचारी बेखबर क्षेत्र के लोगों ने तहसील के जिम्मेदार अधिकारियों पर मिली भगत का आरोप लगाया है। और सुबह होती ही अवैध मिट्टी खनन की ट्रालियां बंद हो जाती है।अगर ऐसे ही उपजाऊ जमीन सें मिट्टी खनन होता रहा तो जमीन बंजर हो जाएगी फसले पैदा करने में संकट उत्पन्न होगा।

नगर में ग्राम समाज के तालाब पाटकर काटी जा रही अवैध कालोनियां

क्यूँ न लिखूँ सच / राष्ट्रीय बजरंगदल के पदाधिकारी ने एसडीएम को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की पूरनपुर–पीलीभीत। ग्राम समाज की जमीन और तालाबों को पाट कर काटी जा रही अवैध कॉलोनी राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष ने एसडीएम को ज्ञापन दिया। शनिवार को दोपहर राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष विजय सिंह के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ता तहसील पहुंच कर एसडीएम अजीत प्रताप सिंह को ज्ञापन देकर

बताया।नगर से सटे पूरनपुर देहात के गाटा संख्या 680रकवा 0.1250 हेक्टेयर जो तालाब के नाम दर्ज है।और गाटा संख्या 677,678और 681सहित उसको अवैध कब्जा कर मिट्टी डाली जा रही है। ग्राम समाज के तालाब पाट कर उस पर अवैध कॉलोनी काट कार्य चोरों पर चल रहा है। इससे पहले कई बार नाप हो चुकी है। कार्यकर्ताओं ने बताया हल्का लेखपाल की भूमिका संदिग्ध लग रही है। गाटा संख्या 677,678,680और 681की जांच कर ग्राम समाज के तालाब को कब्जा मुक्त कराया जाऐ।ज्ञापन सौंपने बाले विजय सिंह सहित कई राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूपी भाजपा अध्यक्ष चुनाव: नामांकन करने के बाद पंकज चौधरी का बयान आया सामने, बोले- कोई पद छोटा या बड़ा नहीं

यूपी भाजपा अध्यक्ष चुनाव में नामांकन करने के बाद पंकज चौधरी का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि कोई पद छोटा या बड़ा नहीं होता है। पार्टी जो दायित्व देती है, उसे निष्ठा से निभाते हैं।राजधानी लखनऊ में नामांकन करने के बाद ने कहा कि अभी नामांकन रही है। रविवार को जब कह पाऊंगा। कोई पद पार्टी से जो दायित्व नाते हम पूरी निष्ठा से भाजपा के नए प्रदेश राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने दिया। सीएम योगी

यूपी भाजपा अध्यक्ष के लिए केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी दाखिल हुआ है। जांच चल घोषणा होगी तभी मैं कुछ छोटा या बड़ा नहीं होता है। मिलता है, उसे कार्यकर्ता के निभाते हैं।बताते चलें कि अध्यक्ष के लिए केंद्रीय वित्त शनिवार को नामांकन कर आदित्यनाथ प्रस्तावक बने। इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य व ब्रजेश पाठक, मंत्री सूर्यप्रताप शाही, मंत्री स्वतंत्रदेव, मंत्री दारा सिंह चौहान, मंत्री ए के शर्मा, कमलेश पासवान, राज्यमंत्री असीम अरुण मौजूद रहे। वहीं, रविवार को लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में पीयूष गोयल नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान किया जाएगा। दोपहर एक बजे पंकज चौधरी, पीयूष गोयल और विनोद तावड़े के साथ लखनऊ पहुंचे। एयरपोर्ट पर पंकज चौधरी ने हड्ड से बातचीत में कहा था, आज भाजपा के सभी सांसदों को बुलाया गया है, प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होना है, उसमें सबको बुलाया गया है। अब आगे पार्टी तय करेगी।

फर्रुखाबाद सांसद ने फर्रुखाबाद के दो पुलों के पुनर्निर्माण का मुद्दा लोकसभा में उठाया

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश फर्रुखाबाद सांसद मुकेश राजपूत ने लोकसभा में शून्य काल के दौरान बरेली हाईवे पर स्थित पांचाल घाट और रामगंगा पुल के पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाया। उन्होंने मांग की कि वर्तमान में जर्जर अवस्था में मौजूद इन दोनों पुलों को नया बनाया जाए। सांसद राजपूत ने सदन को अवगत कराया कि ये दोनों पुल 50 वर्षों से अधिक पुराने और काफी जर्जर हो चुके

हैं। इनके निर्माण के बाद से हाईवे पर यातायात काफी बढ़ गया है, लेकिन इनकी चौड़ाई कम है। समय-समय पर इनकी मरम्मत की जाती है, लेकिन इनके जॉइंट्स भी खुल जाते हैं, जो इनकी खराब स्थिति को दर्शाता है। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण- मुकेश राजपूत ने सड़क व परिवहन मंत्री से आग्रह किया कि उनके संसदीय क्षेत्र से निकलने वाले नेशनल हाईवे 730 पर बने ये पुल सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि फतेहगढ़ में दो आर्मी रेजिमेंट स्थित हैं, और यहाँ से नेपाल व चीन सीमा के लिए सेना का आवागमन भी होता है। पुलों की कम चौड़ाई और जर्जर स्थिति इस आवागमन को भी प्रभावित करती है। जाम की समस्या सांसद ने बताया कि इन पुलों पर आए दिन जाम की समस्या रहती है। विशेष रूप से, रामनगरिया मेले के दौरान इन पुलों पर वाहनों का दबाव और अधिक हो जाता है, जिससे अक्सर जाम की स्थिति बनती है।

सेंट जोसेफ स्कूल में तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का समापन

क्यूँ न लिखूँ सच /पूरनपुर–पीलीभीत। नगर के सेंट जोसेफ स्कूल में तीन दिवसीय स्काउट–गाइड शिविर का समापन हो गया। पूरनपुर के सेंट जोसेफ स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय स्काउट–गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन शनिवार को सफलतापूर्वक हुआ। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन,नेतृत्व क्षमता,सेवा भावना और आत्मनिर्भरता का विकास होना बताया गया था। इस

मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर रेम्या ने प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट–गाइड आंदोलन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यालय के मैनेजर फादर ग्रेगरी मसक्रेनहस ने शिविर के सफल आयोजन के लिए सभी प्रशिक्षकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। शिविर के दौरान अभिषेक कुमार आईटीको ऑर्डिनेटर,श्रद्धा सिंह, ट्रेनर शिखा,ट्रेनर तथा शालिनी पांडेय जिला संगठन कमिश्नर,गाइड द्वारा छात्र–छात्राओं को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में प्राथमिक चिकित्सा, अनुशासन,टीमवर्क, आपदा प्रबंधन, मार्च–पास्ट एवं सामाजिक सेवा से जुड़ी जानकारियां भी दी गईं। कार्यक्रम समापन के दौरान विद्यार्थियों ने सीखे गए कौशल का प्रदर्शन किया।जिसकी सभी अतिथियों ने सराहना की। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। विद्यालय के स्टाफ ने भविष्य में भी इस प्रकार के रचनात्मक एवं चरित्र निर्माण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।इस मौके पर काफी स्कूलों बच्चे और टीचर्स मौजूद रहे।

कब्रिस्तान की जगह में अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर–पीलीभीत। दियोरिया में कब्रिस्तान की जमीन पर चल रहे अवैध निर्माण कार्य की शिकायत मिलने पर उपजिलाधिकारी नागेंद्र पांडेय के निर्देश पर मौके पर पहुंची राजस्व विभाग की टीम ने अवैध निर्माण ध्वस्त करा दिया जिससे गांव में हड़कंप मच गया। दियोरिया निवासी इश्तियाक खां ने

कब्रिस्तान की जमीन पर चल रहे अवैध निर्माण को लेकर बीसलपुर उपजिलाधिकारी नागेंद्र पांडेय को शिकायती पत्र देकर अवैध निर्माण हटवाने की मांग की। उपजिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए राजस्व लेखपाल अभिषेक शुक्ला को मौके पर जाकर अवैध निर्माण हटवाने के निर्देश दिए। उपजिलाधिकारी के निर्देश पर राजस्व लेखपाल अभिषेक पाण्डेय ने अपनी टीम के साथ पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध निर्माण ध्वस्त करा दिया।

दबंगों ने पिज्जा विक्रेता के साथ की मारपीट, मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर–पीलीभीत। कार सवार आधा दर्जन दबंगों ने पिज्जा विक्रेता से मारपीट करते हुए उसके गले में पड़ी सोने की चैन छीन ली बीच–बचाव करने आए दुकान कर्मचारियों से भी मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। बीसलपुर के अमेजिंग पिज्जा प्वाइंट के स्वामी विनोद कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि उसकी दुकान पर कार में सवार अमित भोजवाल, मोनू शर्मा तीन अज्ञात लोगों के साथ आए और उन्होंने मारपीट की दुकान पर मौजूद कर्मचारियों द्वारा बीच–बचाव करने पर उनके साथ मारपीट करते हुए गले में पड़ी सोने की चैन छीन ले गए पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अमित भोजवाल, मोनू शर्मा व तीन अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। प्रभारी निरीक्षक संजीव शुक्ला ने बताया कि पिज्जा विक्रेता के साथ मारपीट करने की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

17 दिसम्बर को आयोजित होगा पेंशनर दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 17 दिसम्बर को आयोजित होगा पेंशनर दिवस वरिष्ठ कोषाधिकारी विनीत कुमार ने कोषागार श्रावस्ती के समस्त सम्मानित पेंशनरों को सूचित किया है कि 17 दिसंबर, 2025 को जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में पेंशनर दिवस आयोजित किया जाएगा। उन्होंने जनपद के सभी पेंशनर से अनुरोध किया है कि 17 दिसम्बर को पेंशनर दिवस में कलेक्ट्रेट सभागार में उपस्थित होकर प्रतिभाग करें।

संदिग्ध हालात में युवक लापता

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। जमुनहा में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां हरदत्त नगर गिरण्ट क्षेत्र के मोहनलाल पुरवा निवासी राजू (32) पुत्र निसार बीती शाम रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। राजू रोजाना बहराइच के नवाबगंज थाना क्षेत्र के चरगहवा चौराहा स्थित अपनी दुकान से जंगल वाले रास्ते से घर लौटता था, लेकिन गुरुवार की शाम वह घर नहीं पहुंचा। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर भैसाही के पास के जंगल में राजू की मोटरसाइकिल व स्वेंटर संदिग्ध स्थिति में पड़े मिले। जंगल में लावारिस बाइक देख वनकर्मी लच्छीराम यादव और रामकु?मार वर्मा को शक हुआ और उन्होंने ग्रंत अपने वन दरोगा अजय कश्यप को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अंकर वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बाइक का नंबर चेक कर पता चला कि वह लापता राजू की ही है। उन्होंने घने जंगल में देर रात तक कॉम्बिंग कर खोजबीन कराई। पूरे क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन राजू का कोई पता नहीं चल सका। राजू के बड़े भाई शरीफ की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी अंकर वर्मा ने बताया कि अलग–अलग टीमें बनाकर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और मामले की हर जंगल से जांच की जा रही है।

किशोर पुलिस इकाई की समीक्षा बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार कक्ष में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम की अध्यक्षता में थाना एएचटी व विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू) की समीक्षा बैठक आयोजित किया गया। इस बैठक में एसपी द्वारा बाल श्रम को रोकने, पॉक्सो एक्ट के साथ–साथ बाल विवाह को रोकने व उनके कल्याण के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को बताया गया। एसपी ने महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, द्वारा जारी अनुसंधान, थानों पर नियुक्त बाल कल्याण पुलिस अधिकारी/विवेचक व जनपद में कार्यरत के समक्ष आ रही समस्या, बाल गुमशदा, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम व बाल श्रम पुनर्वास, मिशन शक्ति अभियान फेज–5.0 व बाल विवाह विशेष राष्ट्रीय 100 दिवसीय अभियान के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई तथा सभी बाल कल्याण अधिकारियों को क्षेत्र में जाकर सरकार द्वारा बाल श्रम के विरूद्ध चलायी जा रही योजनाओं के बारे में बताया गया। एसपी ने जनपद में बाल विवाह रोकने के लिए उपस्थित सभी पदाधिकारीगण व समस्त थानों के बाल कल्याण अधिकारी, विशेष रूप से थाना सिरसिया व मल्हीपुर के बाल कल्याण अधिकारी को बताया गया कि सभी लोग इण्डो नेपान बार्डर से सटे गाँवों में निरन्तर जाये और वहाँ चौपाल लगाकर बाल विवाह न करने हेतु प्रेरित करे। इस कार्यक्रम में अस्सिटेंट लेबर कमिश्नर संत पाल, निरीक्षक ाहुल कुमार, उपनिरीक्षक थाना एएचटी सतीश कुमार, प्रोबेशन ऑफिस से आशुतोष शुक्ला, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष विश्राम पासवान, बाल संरक्षण इकाई थाना में नियक्त बाल कल्याण अधिकारी कर्मचारी व सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Which is the true king of protein? Boiled eggs or spicy omelets? The answer will surprise you.

Eggs are a good source of protein and a popular breakfast. Boiled eggs have fewer calories than omelets because they are cooked without oil. Omelets are delicious, but adding oil increases calories. Boiled eggs are better for weight loss, while omelets rich in vegetables can be more nutritious. Boiled eggs are made without oil and have fewer calories. Adding oil to omelets increases the calorie content, making a boiled egg a better choice for weight loss. Eggs are an excellent source of protein, which is why they are a part of many people's breakfasts. Not just in India, but around the world, eggs are a popular breakfast option. People eat them according to their preferences. Some people prefer omelets, while others prefer boiled eggs. However, the question often arises: which is better between boiled eggs and omelets? Both are rich in protein and nutrients, but the method of cooking, the ingredients used, and the quantity determine how healthy your meal actually is. In this article, we'll tell you which is better: boiled eggs or omelets. Boiled Eggs: Simple and Healthy Option - Boiled eggs are considered one of the healthiest forms of the diet. They are cooked without oil or butter, which keeps them low in calories. One boiled egg contains approximately 70 calories and is rich in protein, vitamins, and minerals. Therefore, for those trying to lose weight or eat a light meal, boiled eggs can be a better option. They are also easy to carry and eat on the go. Omelettes: Tasty Option - Omelettes are a favorite of many and are both tasty and filling. However, they often require oil, butter, or ghee for cooking, which can increase their calorie count. A simple egg omelet can be healthy, but adding cheese, potatoes, or a lot of oil can make it heavy. However, you can make it even healthier by adding vegetables like spinach, tomatoes, onions, or bell peppers, making it rich in fiber and vitamins.

Which is better? Calories: Boiled eggs are generally low in calories, while omelets are high in fat. Fat content: Boiled eggs are lower in fat because no oil is used. Protein: Both contain approximately the same amount of protein. Other nutrients: Both contain vitamin B12, vitamin D, and iron. Best choice for weight loss: Overall, boiled eggs are lighter, while omelets, cooked in a healthy way, can be more nutritious and nutritious. Boiled eggs are generally better for those trying to lose weight, as they are lower in calories and fat. However, if you want a breakfast that keeps you full for longer, you can also eat a vegetable omelet made with less oil.

Are you also harboring a "snake in the grass"? 5 ways to identify fake friends

"It's easy to avoid an enemy's attack because he's standing right in front of you, but what about a friend sitting next to you, smiling, with a dagger in his hand?" History bears witness that even the greatest fortresses have collapsed not because of external attacks, but because of traitors within. The same applies to our lives. We often fear strangers, while the real danger lurks within our own circle of friends. In times of trouble, true friends lose their network coverage. True friends consider your victory their own. Fake friends insult you in the name of jokes. It is said that "friends are the family we choose." A true friend can make your life a paradise, but if that friend turns out to be fake, they are no less than a "snake in the grass." Fake friends laugh with you but undermine you behind your back. Often, we get carried away by emotions and trust people who don't deserve it. But don't worry. Based on psychology and experience, here are five surefire ways to distinguish between a real and a fake friend. Out of "network coverage" in times of trouble - The biggest sign of a fake friend is that they're like a "seasonal bird." They'll be the first to arrive when you're full, partying, or traveling, but the moment you face a crisis—whether it's financial crunch or illness—they'll suddenly disappear. They'll always have an excuse, like "Dude, I was too busy" or "My phone was switched off." Turning pale at your success - A true friend considers your victory their own, but a "snake in the grass" will never be happy to see your progress. Notice the look on their face when you get a promotion or receive good news. Are they genuinely happy, or do they sneer, "You just got lucky"? If they're jealous of your success, be wary. Insulting in the name of a joke - Jokes and teasing are common among friends, but a fake friend often tries to belittle you in public. They'll make fun of your weaknesses in public, and when you get offended, they'll say, "Oh, you got offended, I was just joking." Remember, a friend who can't respect you can't really be a friend. Spreading the word - Does your friend share other people's secrets or secrets with you? If so, note that they might share yours with others. A fake friend can never keep a secret. Their job is to act like a "postman," delivering news from one place to another. Think twice before opening your heart to such people. Telling only your own 'Rama-kahaani' - Conversations should always be two-way, but fake friends are only concerned about themselves. When you try to tell them your problem, they will interrupt you and start telling you theirs. They don't care how you feel; they just want someone to listen to them or praise them. Reduce the crowd, but keep it real - If you see someone with the above signs in your group, distance yourself immediately. Remember, it's better to have one true friend than 100 fake friends. Filter such 'toxic' people from your life and put your mental health first.

Samosas and biryanis were left behind! Indians searched for this white dish most on Google in 2025. See the full list.

The year 2025 is coming to an end, and Google has released a list of the most searched items. Idli, made from fermented rice and lentils, tops the list of the top 10 recipes. Pornstar Martini, a cocktail, is second. Thekua is a famous dish from Bihar, and Ugadi Pachadi is a special sweet. Beetroot Kanji, Thiruvathirai Kali, Yorkshire Pudding, Gond Katira, and Kolukattai also make the top 10. Google released a list of the most searched items in 2025. Idli tops the list, followed by Pornstar Martini and Thekua. Ugadi Pachadi, Beetroot Kanji, and Kolukattai also make the list. The year 2025 is coming to an end, and the New Year is just around the corner. This year has been full of ups and downs. Numerous events took place across the country and the world. Meanwhile, before the year ends, Google has released a list of the most searched items this year. From film stars to travel destinations, people in our country searched for a wide range of things on Google this year. In this article, we'll tell you about some of the most searched foods and dishes in India. Let's explore the top 10 recipes searched on Google: Idli - The famous South Indian dish, Idli, tops the list of most searched dishes this year. Made from a batter of fermented rice and black gram, this dish is now popular in many parts of the country and is often eaten with chutney or sambar. Pornstar Martini - This cocktail is a mixture of vodka and passionfruit puree or liqueur. It's typically served with a shot of sparkling wine. It ranked second on the search list this year. Thekua - Bihar's famous Thekua ranked fourth on the list of most searched dishes in 2025. It is primarily prepared in Bihar and Jharkhand during Chhath festival and is made from wheat flour and jaggery. Ugadi Pachadi - This dish was the fifth most searched dish this year. It is a special sweet dish eaten during the Telugu New Year, Ugadi. It is made with neem, jaggery, tamarind, and raw mango. Beetroot Kanji - Beetroot Kanji ranked sixth on Google's search list. It is a fermented drink from North India made by soaking beetroot in mustard seeds and water. It has a sour taste and is rich in probiotic properties. Thiruvathirai Kali - This traditional Tamil Nadu dish, made during the Thiruvathirai festival, was searched the most this year. It ranked seventh on the top 10 list. It is made from millet or broken rice cooked with jaggery and flavored with cardamom. Yorkshire Pudding - Yorkshire pudding ranked eighth among the most searched dishes in India. It is a classic British side dish made from a batter of eggs, flour, and milk or water. It is commonly served as part of a traditional Sunday roast in the UK. Gond Katira - Although not a dish but an ingredient, Gond Katira was searched for a lot this year, ranking ninth on the list. It is actually an edible natural gum called tragacanth, which is used to make drinks and sweets into a jelly-like consistency. It is commonly added to a variety of summer drinks. Kolukattai - Kolukattai ranked tenth on the list of most searched dishes this year. This South Indian steamed dumpling is made from rice flour and comes in both sweet and savory variations. It is especially popular during festivals like Vinayaka Chaturthi.

IMDb's list is out, highlighting the 10 most popular Hindi web series of 2025.

Like every year, at the end of the year, the Internet Movie Database (IMDb) released its list of the most popular web series of 2025. These 10 series have dominated the IMDb popularity charts. These fantastic thrillers are included in the top 10 list, and this web series is ranked number 1 on the list. Nowadays, most moviegoers check IMDb ratings before watching movies and web series. A thriller with a good rating is sure to become a must- watch, and its popularity remains high. Every year, IMDb releases a list of the top 10 most popular movies and web series. Based on this, the list of the top IMDb most popular web series of 2025 has been released. Let's find out which series this year not only entertained the audience but also gained popularity. IMDb's Top 10 Series in 2025 The popularity of a film or web series can be easily gauged by its IMDb rating. While South Indian cinema has often dominated this field, in the past few years, Hindi cinema has also begun to stake a strong claim. On this line, now the list of top rated 10 web series of 2025 has been released by IMDb, which is as follows - The Bads of Bollywood (Netflix) Black Warrant (Netlfix) Paatal Lok Season 2 (Prime Video) Mandala Murders (Netflix) Khauf (Prime Video) Special Ops Season 2 (Jio Hotstar) Khakee The Bengal Chapter (Netflix) The Family Man Season 3 (The Family Man Prime Video Criminal Justice Season 4) (Jio Hotstar) Through these lists, you can easily watch IMDb's most popular web series of this year sitting at home. Aryan's series topped - The Bads of Bollywood was the most talked about web series of this year. Shah Rukh Khan's son Aryan Khan marked his directorial debut with this series. IMDb ranks it number one in popularity. The Bads of Bollywood has a rating of 7.6/10.

An 8-episode web series dominated OTT in 2025, with a mysterious story receiving a 6.4 rating.

The year 2025 is nearing its end. This year, many excellent films and web series were released on the OTT platform Netflix. Based on this, today we're going to tell you about Netflix's most popular series of the year. This series dominated Netflix in 2025. The web series received a good rating from IMDb - 8 episodes present a suspenseful story. This year, films and web series have seen a significant impact on OTT. Netflix's content has been at the forefront in this regard. Based on this, today we're going to tell you about a great web series releasing on Netflix in 2025. Its 8 episodes featured a suspenseful thriller in the story. So much so that IMDb included this list of the top 10 most popular web series of this year. So, let's find out which series we're talking about here. Netflix's most amazing series - The web series on the OTT platform Netflix being discussed in this article was streamed online on July 25, 2025. The series was presented in eight episodes, and the story is filled with suspense and mystery, keeping you hooked until the end. This web series depicts the story of a village called Charandaspur, whose forest holds many secrets, dating back to independence and the present day. Dead bodies are found in this forest and the state, their torsos and other body parts lying undisturbed. A CBI officer is called in from Delhi to investigate the case, and she joins the investigation in collaboration with the local police. However, the officer uncovers many secrets that leave her astonished. In fact, this web series is none other than the Vaani Kapoor-starrer "Mandla Murders." With its excellent story, "Mandla Murders" thoroughly entertained viewers on Netflix. For this reason, it has been included in IMDb's list of the top 10 most popular Indian web series. The "Mandla Murders" IMDb rating: The popularity and compelling story of "Mandla Murders" can be easily gauged by its IMDb rating. It has received a positive rating of 6.4/10 from IMDb, which makes "Mandla Murders" very special.

What was the cricketer's wife doing on the sets of Koi Mil Gaya? Fans said, "You still..."

Sakshi Dhoni shared photos from her school days on social media, one of which shows her with Hrithik Roshan. This photo, taken during the shooting of Hrithik's film "Krrish," has caused a stir on social media. Users are commenting on Sakshi's beauty and Hrithik's presence. The worlds of cricket and Bollywood have often been intertwined, whether it's star couples like Virat Kohli and with Anushka Sharma, KL Rahul and Athiya Shetty, or the film "83," based on Kapil Dev and Team India's historic World Cup victory. This familiar connection has once again come to the fore. One photo caught everyone's attention: This time, Sakshi Dhoni, wife of cricketer Mahendra Singh Dhoni, has brought back many memories by sharing a photo from her school days. Sakshi posted several photos on her social media account, dating back to 2000 and 2006, showing glimpses of her childhood days with her close friends. But one of these photos caught everyone's attention: a photo of young Sakshi with Bollywood star Hrithik Roshan. The photo was taken during the shooting of the film "Krrish," which was released in 2006. The actor is seen in a look from the film, leading to speculation that the photo may have been taken during the shooting. The photos created a stir on social media as soon as they surfaced. Many users praised Sakshi's unmatched beauty, while others noticed Hrithik Roshan's sudden presence. One user commented, "With Hrithik Roshan in the eighth slide, wow!" Another wrote, "A photo with Hrithik Roshan during the shooting of Krrish." Hrithik Roshan's comment on Dhurandhar is currently in the news for his comments on Dhurandhar. The actor posted separate posts on Twitter and Instagram, in one of which he questioned Dhurandhar's politics and in another, he praised the actor. This has led to widespread criticism.